छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के एक छोटे से गांव में पली बढ़ी लिपि मेश्राम ने बेहद ही कम उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीता है. ग्लैमरस स्टूडियो कांटेस्ट गोवा में आयोजित हुआ था।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 84 दिनांक: 07-03-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री आज अपने पुणे दौरे पर कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले हैं। सबसे पहले पीएम ने पुणे नगर निगम परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया है इसके बाद उन्होंने मेट्रो का उद्घाटन किया।

शांति की चर्चा के बीच यूक्रेन पर हमलों की मार, नहीं माने पुतिन, 16 हजार अमेरिकी नागरिकों ने भी उठाए हथियार

मास्को । यूक्रेन पर रूसी सेना के हमलों के रविवार को दस दिन पूरे हो गए। युद्धविराम के लिए लगातार कोशिश हो रही हैं लेकिन वे सफल नहीं हो रहीं। रविवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और तुर्की के राष्ट्रपति रीसैप तैयप एर्दोगन ने फोन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। रविवार रात मास्को पहुंचे इजरायल के प्रधानमंत्री नाफ्ताली बेनेट ने राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर युद्धविराम का अनुरोध किया था। वहीं पुतिन का जवाब है कि यूक्रेन के हथियार मुक्त करने से कम पर बात नहीं बनेगी। यूक्रेन हथियार मुक्त और तटस्थ भूमिका वाला देश बनने को तैयार हो तो युद्ध रोक दिया जाएगा। जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की हमले रोके जाने की मांग करते हुए लड़ाई जारी रखने के लिए अमेरिका और समर्थक देशों से हथियार भी मांग रहे हैं। उन्होंने रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

इस बीच राजधानी कीव सहित यूक्रेन के ज्यादातर शहरों में रूस के हमलों से तबाही जारी है। जमीनी और हवाई हमलों के बीच लोग घरों में फंसे हैं। आपूर्ति व्यवस्था भंग होने से उन्हें खाने-पीने के सामान और अन्य जरूरी सामान की किल्लत महसूस हो रही है। भीषण ठंड के मौसम में बिजली और गैस की कमी बच्चे और बुजुर्गो के लिए जान को खतरा पैदा कर रही है। रूसी हमलों के चलते यूक्रेन के छह क्षेत्रों में स्थित 16 गैस वितरण केंद्र बंद हो गए हैं। इसके चलते शहरों में गैस की किल्लत होने का खतरा पैदा हो गया है। जिन क्षेत्रों में गैस वितरण केंद्र बंद हुए हैं, वे कीव, खार्कीव, मीकोलईव, जापोरीजिया, डोनेस्क और लुहांस्क हैं। रूसी हमलों में कई बिजलीघर और आपूर्ति व्यवस्था भी नष्ट हुई है। इसके कारण कई शहरों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। मारीपोल में फंसे लोगों को सेफ कारिडोर बनाकर निकालने की कोशिश सोमवार को भी हुई लेकिन उसमें सफलता नहीं मिली। समझौता होने के कुछ ही देर बाद फिर से दोनों ओर से फायरिंग होनी शुरू हो गई।

मारीपोल से लोगों को निकालने की कोशिश शनिवार को भी हुई थी लेकिन विफल रही थी। रूस और यूक्रेन सोमवार को बेलारूस में होने वाली बैठक में संघर्षविराम को प्रभावी बनाने के मसौदे पर बात कर सकते हैं। हमलों के बीच रूसी सरकार ने यूक्रेन और स्वतंत्र घोषित पूर्वी यूक्रेन के नागरिकों को बिना वीजा के रूस में आने की अनुमति दे दी है। इस बीच वीजा और मास्टरकार्ड ने रूस में काम न करने की घोषणा की है। युद्ध के 11 वें दिन यूक्रेन से पलायन कर पड़ोसी देने वालों की संख्या बढ़कर 15 लाख को पार कर गई। यह दुनिया में सबसे तेज गति से हुआ पलायन है। यूक्रेन छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और बीमार हैं। इस बीच युद्ध के हालात पर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, अमेरिकी सांसदों और इजरायल के प्रधानमंत्री नाफ्ताली बेनेट से बात की है। जेलेंस्की ने लड़ाई के लिए समर्थक देशों से और हथियार मांगे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दुनिया भर के लोगों से यूक्रेन आकर रूस के खिलाफ युद्ध में शामिल होने का आह्वान किया था। इसके बाद खबर आई कि यूक्रेन में 16 हजार विदेशी नागरिक आकर लड़ रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका, ब्रिटेन समेत 19 देशों से बड़ी संख्या में हथियार और उन्हें चलाने का प्रशिक्षण मिला है। यूक्रेन अब उन्हीं के दम पर रूस की नाक में दम किए हुए है।

दस दिनों की लड़ाई में रूस ने यूक्रेन के 2,203 सैन्य ठिकाने नष्ट कर दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेंकोव के अनुसार हमलों में यूक्रेन के कुल 93 लड़ाकू विमान, 778 टैंक और बख्तरबंद वाहन, 279 तोप अभी तक नष्ट की गई हैं। रूसी सेना ने रविवार को स्टारोकोसटिंटीनीव वायुसेना अड्डे पर मिसाइलों से हमला किया। हमले में अड्डे को भारी नुकसान होने की खबर है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस हमले में एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम की यूनिट, दस लड़ाकू विमान और हेलीकाप्टर नष्ट हुए हैं। इस बीच रूस ने दावा किया है कि जापोरीजिया परमाणु संयंत्र को रूसी सेना के कब्जे में जाता देख वहां तैनात यूक्रेनी अधिकारियों ने परमाणु हथियार के निर्माण से संबंधित दस्तावेज आंशिक रूप से नष्ट कर दिए और कंप्यूटर डाटा डिलीट कर दिया। जांच में इस बात के सुबूत मिले हैं। जबकि यूक्रेन ने 11 हजार से ज्यादा रूसी सैनिक, 300 रूसी टैंक, 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान और 48 हेलीकाप्टर नष्ट करने का दावा किया है।

नो फ्लाइ जोन को लेकर पुतिन की चेतावनी के बाद पश्चिमी देशों ने पीछे खींचे कदम

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को 11 दिन हो गए हैं। यूक्रेन में बमबारी जारी है। आलम यह है कि न रूस हमले रोक रहा है और न ही यूक्रेन हार मान रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में सबकुछ प्लान के अनुसार चल रहा है। पुतिन ने दूसरे देशों को आगाह करते हुए कहा कि जो भी देश यूक्रेन को नो फ्लाई जोन घोषित करेगा, वह इस संघर्ष का हिस्सा माना जाएगा। पुतिन के इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। इसके साथ ही जेलेंस्की ने वीडियो जारी कर नाटो के कदम की आलोचना की है। जेलेंस्की ने यूक्रेन को नो फ्लाई जोन घोषित करने की मांग की थी, जिसे नाटो ने खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि नाटो यूक्रेन को नो फ्लाई जोन नहीं घोषित करके बड़ी गलती कर रहा है। नाटो यूक्रेन में होने वाली मौतों और विनाश के लिए जिम्मेदार होगा। नाटो ने कहा था कि वह इस संघर्ष का हिस्सा नहीं है और अगर वह यूक्रेन को नो फ्लाइ जोन घोषित करेगा तो युद्ध यूरोप के दूसरे हिस्सों तक फैल सकता है, जो वह नहीं चाहता।

जीएसटी काउन्सिल की अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 से बढ़ाकर 8 फीसदी करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल और खाने के तेल के दाम बढ़ने के बाद अब आम आदमी पर महंगाई की एक और मार पड़ने वाली है। सरकार जीएसटी की सबसे कम स्लैब पर टैक्स की दर बढ़ा सकती है। इसका असर सीधे आम आदमी पर पड़ेगा।

दरअसल, जीएसटी काउंसिल की होने वाली अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी किया जा सकता है। इसके साथ ही जीएसटी व्यवस्था में छूट की सूची को कम किया जा सकता है। राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति इस महीने के अंत तक अपनी रिपोर्ट जीएसटी काउंसिल को सौंप सकती है। इसमें सरकार की कमाई यानी राजस्व बढ़ाने के लिए अलग-अलग कदमों का सुझाव दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि जीएसटी की सबसे निचली दर को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी करने से सरकार को अतिरिक्त 1.50 लाख करोड़ रुपये का सालाना राजस्व मिल सकता है। इस स्लैब में मुख्य रूप से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रियों की समिति अगली बैठक में एक तीन स्तरीय जीएसटी संरचना पर भी विचार कर सकती है। इसकी दरें 8, 18 और 28 फीसदी हैं। अगर प्रस्ताव पास हो जाता है तो सभी वस्तुओं और सेवाओं पर वर्तमान में 12 फीसदी टैक्स लगता है, जो इसके बाद 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएगा।

फिलहाल जीएसटी के चार स्लैब हैं। 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी। लग्जरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा टैक्स लगता है। लग्जरी और सिन गुड्स पर सबसे अधिक 28 फीसदी स्लैब के ऊपर सेस लगता है। इस सेस कलेक्शन का उपयोग जीएसटी के आने के बाद राज्यों को राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है। जीएसटी परिषद की अगली बैठक में उन वस्तुओं की संख्या को कम करने का भी प्रस्ताव किया जा सकता है, जिन्हें जीएसटी से छूट दी गई है। इस समय अनपैक्ड, अनब्रांडेड खाद्य और डेयरी वस्तुओं को जीएसटी से छूट दी गई है।

रूस का आरोप, यूक्रेन के चेर्नोबिल में परमाणु बम बना रहा था कीव

-चेर्नोबिल में उसी जगह एटमी बम बना रहा था जहां चेर्नोबिल पावर प्लांट था

नई दिल्ली(ईएमएस)। 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर हमला शुरू किया था। तब से अब तक 11 दिन हो चुके हैं। यूक्रेन में हर तरफ दहशत, मातम और सन्नाटा पसरा है, लेकिन अब तक यूक्रेन ने रूस जैसे बड़े देश का मुकाबला करना छोड़ा नहीं है। अब रूस ने यूक्रेन पर बड़ा आरोप लगाया है। रूसी मीडिया के मुताबिक यूक्रेन चेर्नोबिल में प्लूटोनियम आधारित डर्टी बम बनाने के करीब था। यह एक प्रकार का परमाणु बम है। हालांकि रूसी मीडिया में इसे लेकर कोई सबूत नहीं दिया गया है। चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में अब तक का सबसे भीषण परमाणु हादसा हुआ था। इसके बाद 2000 में इस प्लांट को बंद कर दिया गया था।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमले का आदेश दिया था। पुतिन के मुताबिक यूक्रेन को असैन्यीकरण और नाजीवाद तथा पश्चिमीकरण से मुक्त करने और नाटो में प्रवेश नहीं करने के लिए यह हमला किया गया। हालांकि पश्चिमी देश हमेशा पुतिन के इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। रूसी मीडिया तास, आरआईए और इंटरफेस न्यूज एजेंसी ने रूस के एक सक्षम इकाई के प्रतिनिधि के हवाले से यह खबर दी है। ये न्यूज एजेंसियां रूसी सरकार के प्रति हिमायती है। रूसी प्रतिनिधि ने कहा है कि यूक्रेन चेर्नोबिल में उसी जगह परमाणु बम बना रहा था जहां चेर्नोबिल पावर प्लांट था। 2000 से यह परमाणु पावर प्लांट बंद है, लेकिन यहीं परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया चल रही थी।

हालांकि यूक्रेन सरकार ने कहा है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद उसने 1994 में परमाणु क्लब में शामिल होने की मंशा छोड़ दी थी और उसका कोई इरादा परमाणु बम बनाने का नहीं है। इस मामले में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी हमले से ठीक पहले कहा था कि यूक्रेन सोवियत तकनीकी का ही इस्तेमाल कर परमाणु हथियार बनाने में लगा हुआ था। यह रूस पर हमले की तैयारी के समान है। सोवियत संघ के दौरान यूक्रेन में कई परमाणु बम थे। हालांकि 1994 में इसे रूस को वापस कर दिया गया था लेकिन रूस का आरोप है कि उसी तकनीकी के आधार पर यूक्रेन परमाणु बना रहा है।

मिस इंडिया बनीं बस्तर की लिपि मेश्राम

बस्तर । छत्तीसगढ़ के बस्तर की तस्वीर बदल रही है. युवा भी काबिलियत से देश दुनिया में नाम कमा रहे हैं. शिक्षा, खेल जगत के साथ साथ अब बस्तर के युवाओं ने ग्लैमर्स की दुनिया में भी कदम रखना शुरु कर दिया है. जिले के एक छोटे से गांव में पली बढ़ी लिपि मेश्राम ने बेहद ही कम उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीता है. ग्लैमरस स्टूडियो कांटेस्ट गोवा में आयोजित हुआ था। लिपि मेश्राम बस्तर की पहली कम उम्र में सुपरमॉडल मिस इंडिया का खिताब जीतनेवाली युवती बन गई है. लिपि के पिता साल 2009 में लौंहडीगुड़ा में नक्सली हिंसा का शिकार हुए थे. घर के सामने नक्सलियों ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी. पिता के सपने को साकार करने और कुछ कर दिखाने की ललक से लिपि मेश्राम ने मॉडलिंग शो में हिस्सा लिया. ग्लैमरस स्टूडियो कांटेस्ट में देश भर से आए प्रतिभागियों को मात देते हुए पहली विजेता बनी।

लिपि मेश्राम ने बताया कि अच्छे मुकाम पर पहुंचने के लिए व्यू होना जरूरी है. मैंने भी ऐसा ही एक ख्वाब देखा था और पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत की. लिपि को बस्तर के ग्रामीण अंचल से उठकर शहरी माहौल में जाना पहले भारी लगा था. परिवार और दोस्तों के सहयोग ने हौसला बढ़ाया. मुकाम पाने भिलाई पहुंची और ग्लैमरस स्टूडियो से जुड़कर ख्वाब बुनना शुरू किया. सभी का मार्गदर्शन मिलने पर ब्यूटी कंपटीशन में शामिल होने की राह खुली. सलाह और सुझाव के साथ इस राह पर हिम्मत और लगन से निकल पड़ी. लिपि ने बताया कि कंपटीशन में 4 राउंड पास करने के बाद गोवा आने का निमंत्रण मिला. गोवा में 4 दिनों तक कई कंपटीशन हुए और एक के बाद एक प्रतिभागी को पछाड़ते हुए छाप जजों पर छोड़ी और मिस इंडिया का खिताब जीता।

लिपि को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा. बस्तर के छोटे से गांव से होने के कारण तवज्जो नहीं मिलता था. लेकिन परिवार के सहयोग से हार नहीं मानी और सभी ब्यूटी कंपटीशन में हिस्सा लिया. उसके काम को देखते हुए स्वच्छ भारत अभियान के तहत बस्तर का ब्रांड एंबेसडर भी बनाया गया है. लिपि सुपर मॉडल के साथ सिंगर और आर्टिस्ट भी है. कई बार लिपि ने जगदलपुर और बड़े शहरों में भी ओपन स्टेज परफॉर्मेंस किया है. अब लिपि की ख्वाहिश है हैदराबाद के रामोजी फिल्मसिटी में फिल्मी दुनिया में एंट्री के लिए ऑडिशन देना. लिपि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले ग्लैमरस कांटेक्ट में हिस्सा लेना चाहती है. लिपि ने बताया कि ग्लैमरस ब्यूटी कंपटीशन में भारत से 30 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए थे और सभी अलग-अलग राज्यों से पहुंचे थे. छत्तीसगढ़ के बस्तर से अकेली प्रतिभागी रही. पहले ऐसा लगा कि प्रतिभागियों से मुकाबला कठिन होगा. लेकिन सभी के आशीर्वाद से बेहतर प्रदर्शन किया और इस कॉम्पटीशन में अव्वल रही।

श्रीनगर में आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से हमला किया एक व्यक्ति की मौत

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हरि सिंह हाई स्ट्रीट इलाके में आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से हमला किया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। श्रीनगर पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा, शाम चार बजकर 20 मिनट पर आतंकवादियों ने हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर तैनात पुलिस और सुरक्षाबलों पर एक ग्रेनेड से हमला किया।उन्होंने कहा कि इस घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया है।अधिकारी ने कहा कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और दोषियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्रीनगर में हुए ताजा ग्रेनेड हमले की अभी किसी संगठन की ओर से जिम्मेदारी नहीं ली गई है। हालांकि सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान छेड़ दिया है। यह हमला श्रीनगर के अमृता कदाल मार्केट में हुआ, उस वक्त वहां भारी भीड़ थी। श्रीनगर में यह हमला सुरक्षाबलों की आतंकवादियों के खिलाफ जारी कार्रवाई के बीच हुआ है। पिछले कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कई बड़े आतंकवादियों को ढेर किया है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि श्रीनगर या जम्मू-कश्मीर के अन्य इलाकों में छिटपुट हमले आतंकियों की बौखलाहट का नतीजा हैं, क्योंकि उन पर लगातार शिकंजा कस रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में सक्रिय आतंकियों की एक टारगेट लिस्ट भी तैयार की है और मौजूदा समय में विदेशी आतंकियों की संख्या काफी कम हो गई है। स्थानीय आतंकवादियों की पहचान और उन पर कार्रवाई में भी तेजी देखी गई है।

बीएसएफ हेडक्वार्टर में जवान ने की फायरिंग

-चार साथियों की जान लेकर किया सुसाइड

-बीएसएफ ने कोर्ट औफ इन्क्वायरी के आदेश दिए

अमृतसर(ईएमएस)। यहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेडक्वार्टर में बीएसएफ 144वीं बटालियन के एक कांस्टेबल ने अपने ही साथियों पर फायरिंग कर दी। घटना में 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य घायल हो गए। साथियों पर हमले के बाद जवान ने खुद को भी गोली मार ली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी भी मौत हो गई। आरोप है कि जवान से ज्यादा डयूटी ली जा रही थी। उसकी पहचान महाराष्ट्र के रहने वाले सतेप्पा एसके के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद खासा में दहशत का माहौल है। बीएसएफ ने कोर्ट औफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। जान गंवाने वाले जवानों में हेड कांस्टेबल विनोद निवासी बिहार, हेड कांस्टेबल तोरास्कर डीएस निवासी महाराष्ट्र, हेड कांस्टेबल रतन सिंह, निवासी जम्मू-कश्मीर और हेड कांस्टेबल बलजिंदर सिंह, पानीपत हरियाणा हैं।

अमृतसर के खासा स्थित बीएसएफ की 144वीं बटालियन का मुख्यालय, जहां गोलीबारी की घटना हुई। पता चला है कि सतेप्पा से पिछले कुछ दिनों से लगातार डयूटी ली जा रही थी ट इस बात से वह काफी परेशान हो गया था ट उसकी बीएसएफ के एक बड़े अधिकारी से बहस भी हुई थी, लेकिन राहत कोई नहीं मिलीट रविवार की सुबह सतेप्पा डयूटी पर तैनात था। गुस्से में आकर उसने अपनी राइफल से गोलियां चलानी शुरू कर दी ट गोलियां चलने की आवाज सुनकर अन्य जवानों ने इधर-उधर भागना शुरू कर दिया ट लगभग 9 लोगों को गोलियां लगीट कई जवान घायल बताए जा रहे हैंट दो जवानों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ा। घटना के बारे में पता चलते ही पुलिस और बीएसएफ के आला अधिकारी मौका ए वारदात पर पहुंच गए ट घायलों को तुरंत एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया हैट पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शवों को कब्जे में लेने की तैयारी शुरू कर दी है ट मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचित किया जा रहा है

यूपी चुनाव : 7वॉ और अंतिम चरण का मतदान आज

9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों के लिए होगा मतदान

लखनऊ(ईएमएस)। यूपी विधानसभा चुनाव का अंतिम और सातवें चरण के मतदान में कुछ ही घंटे बचे हैं, ऐसे में प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए दांव अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। पूर्वांचल की कुल 54 विधानसभा सीटों पर सात मार्च को मतदान होगा जबकि सभी चरणों की मतगणना 10 मार्च को होगी। अंतिम चरण में जिन जिलों में मतदान होना है उनमें आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला के अनुसार सातवें चरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस चरण में 54 सीटों पर कुल 613 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे, जिसमें 11 अनुसूचित जाति के आरक्षित और दो अनुसूचित जनजाति के लिए लगभग 2.06 करोड़ मतदाता शामिल हैं। यह अंतिम दौर भाजपा और समाजवादी पार्टी दोनों के छोटे जाति-आधारित दलों के साथ गठजोड़ की भी परीक्षा होगी। बीजेपी के सहयोगी अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी और अखिलेश यादव के नए दोस्त अपना दल (के), ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) और अन्य अपने समर्थक ताबड़तोड़ रैली करने में लगे हैं। कभी समाजवादी पार्टी का गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में 2017 में बीजेपी ने अपने सहयोगी अपना दल (4) और एसबीएसपी (3) के साथ 29 सीटें जीतकर अपनी पैठ बनाई। बसपा को छह और समाजवादी पार्टी को 11 सीटें मिली थीं।

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने जौनपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जो मल्हानी सीट से अपने लंबे समय के सहयोगी स्वर्गीय पारसनाथ यादव के बेटे लकी यादव के लिए समर्थन में आया। मुलायम सिंह ने इससे पहले मैनपुरी की करहल सीट पर अपने बेटे और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए प्रचार किया था। इस चरण के प्रमुख प्रतियोगियों में यूपी के मंत्री नीलकंठ तिवारी, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश यादव और राम शंकर सिंह पटेल शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट से इस्तीफा देकर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए दारा सिंह चौहान भी मऊ के घोसी से चुनाव लड़ रहे हैं। एसबीएसपी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर (जहूराबाद), धनंजय सिंह (मल्हानी-जौनपुर) जेडी (यू) के उम्मीदवार के बेटे अब्बास अंसारी मऊ सदर सीट से राजनेता बने मुख्तार अंसारी अंतिम चरण में अन्य प्रमुख उम्मीदवार हैं।भाजपा अपने गढ़ को बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी 2012 के विधानसभा चुनावों में जीते गए निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है। साथ ही, यूपी विधानसभा चुनाव का सातवां और अंतिम चरण दोनों पक्षों के सहयोगियों के लिए एक परीक्षा होगी।

भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में अनुप्रिया पटेल से लेकर सपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में ओम प्रकाश राजभर जैसे नेता शामिल हैं।इस चुनाव में, भाजपा ने पार्टी के चुनाव चिह्न पर 54 सीटों में से 48 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि उसके सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी ने 3-3 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी ने अपने चुनाव चिह्न पर 45 उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि उसके सहयोगी एसबीएसपी ने सात उम्मीदवार और अपना दल (के) ने दो उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 की सफलता की कहानी को दोहराने के लिए पूर्वांचल में बड़े पैमाने पर प्रचार किया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा वाराणसी के कबीर चौरा मठ में पूर्वांचल के दलित मतदाताओं को जोड़ने के प्रयास में डेरा डाले हुए हैं, जो यहां बड़ी संख्या में हैं।

यूक्रेन संकट हो या कोविड हम लोगों को बचाने में कामयाब रहेः पीएम मोदी

पुणे(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे में सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने पुणे में सिम्बायोसिस आरोग्य धाम का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सिम्बायोसिस अपने स्वर्ण जयंती के मुकाम तक पहुंचा है। इन संस्थान की यात्रा में अनेक लोगों का योगदान होता है। जिन छात्रों ने यहां से पढ़कर सिम्बायोसिस के विजन को अपनाया और अपनी सफलता से सिम्बायोसिस को पहचान दी उनका उतना ही योगदान है। मैं इस अवसर पर सभी को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि सिम्बायोसिस ऐसी विश्वविद्यालय है, जहां 'वसुधैव कुटुम्बकम्' पर अलग से एक कोर्स है। ज्ञान का व्यापक प्रसार हो, ज्ञान पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़ने का माध्यम बने, ये हमारी संस्कृति रही है। मुझे खुशी है कि ये परंपरा हमारे देश में आज भी जीवंत है। पुणे में रहने वाले लोग तो अच्छी तरह जानते हैं कि कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर भारत ने किस तरह पूरी दुनिया के सामने अपना सामर्थ्य दिखाया है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी आप लोग यूक्रेन संकट के समय भी देख रहे हैं कि कैसे ऑपरेशन गंगा चलाकर भारत अपने नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाल रहा है। आज आपका देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम आज हमारे देश में है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। सात साल पहले भारत में सिर्फ 2 मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां थीं, आज 200 से ज्यादा मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स इस काम में जुटी हैं। इससे पहले पीएम ने पुणेवासियों को मेट्रो का तोहफा दिया। मेट्रो रेल परियोजना के उद्घाटन के वक्त उनके साथ राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। पीएम ने यात्रा के समय मेट्रो में मौजूद बच्चों से बात भी की और सफर के बारे में पूछा।

महिला विश्व कप : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान को 107 रनों से हराया। भारतीय टीम ने इस मैच में पाकिस्तान को जीत के लिए 245 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में पाक टीम 137 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पूजा वस्त्राकर के 67 , स्नेह राणा के नाबाद 53 रन और स्मृति मंधाना के 52 रनों की सहायता से 7 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इस जीत के साथ ही महिला टीम का पाक के खिलाफ अजेय रहने का रिकार्ड बरकारार है। भारतीय टीम ने अभी तक पाक के खिलाफ सभी 11 मैच जीते हैं। वहीं अब तक कुल मिलाकर विश्व कप में भारत की पाक पर यह चौथी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2009, 2013 और 2017 में पाक को हराया था।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर ही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने 92 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। मंधाना के 51 रन बनाकर आउट होने के बाद फिर टीम लड़खड़ा गयी। दीप्ति शर्मा ने 40 रन बनाये। बीच में लगातार विकेट गिरने से भारतीय टीम ने 114 रनों पर ही छह विकेट खो दिये।

भारत की ओर से पूजा वस्त्राकर ने सबसे ज्यादा 67 और स्नेह राणा ने नाबाद 53 रन बनाये। पूजा और स्नेह के बीच सातवें विकेट के लिए 122 रनों की रिकार्ड शतकीय साझेदारी हुई।

वहीं इस मैच में कप्तान मिताली राज 35 गेंद में केवल 9 रन ही बना पायीं। ऋचा घोष एक रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। उपकप्तान हरमनप्रीत कौर भी 13 गेंद में 5 रन ही बना पायीं।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम की

शुरुआत भी धीमी रही। 28 के स्कोर पर टीम का पहला विकेट गिरा। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 43वें ओवर में 137 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सबसे ज्यादा 4 जबकि अनुभवी झूलन गोस्वामी और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए।

कार्टून कोना

लैंडिंग के समय बंद हुआ बाईं ओर का इंजन, टला बड़ा हादसा

कानपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में वायुसेना के चकेरी एयरपोर्ट पर एक बहुत बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक लैंडिंग के समय कोस्टगार्ड के एक विमान का बाईं तरफ का इंजन फेल हो गया। स्पीड तेज होने की वजह से वह असंतुलित हो गया और रनवे छोड़कर भागने लगा। कुछ दूर आगे जाकर वह हवाई अड्डे के एक निर्माण से टकराकर रुक गया और इस तरह एक बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। विमान की लैंडिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक यह विमान चेन्नई से कानपुर आ रहा था। लैंडिंग के वक्त कोस्टगार्ड विमान का बाया इंजन रनवे पर उतरते समय बंद हो गया जिसकी वजह से विमान रनवे पर असंतुलित होकर एक तरफ मुड़ गया। यह लैंडिंग के बाद हवाईअड्डे के एक ढांचे से टकरा कर विमान रुक गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आखिरी चरण में ऑपरेशन गंगा भारतीय दूतावास की बुडापेस्ट पहुंचे बचे हुए छात्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका है। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने बचे हुए छात्रों से हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पहुंचने की अपील की है। इससे पहले यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में भारतीयों से उनके मोबाइल नंबर और स्थान के साथ 'तत्काल आधार' पर उनसे संपर्क करने को कहा है। हंगरी में भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसने कहा, ठभारतीय दूतावास ने आज ऑपरेशन गंगा उड़ानों के अपने अंतिम चरण की शुरुआत की। अपने स्वयं के आवास (दूतावास द्वारा व्यवस्थित के अलावा) में रहने वाले सभी छात्रों से अनुरोध किया जाता है कि वे हंगरी, राकोजी यूटी 90 (बुडापेस्ट) में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच पहुंचें। बता दें कि हंगरी की सीमा युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगती है और अभी तक इस देश से होते हुए हजारों भारतीयों को भारत लाया गया है। भारत के दूतावास ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की निकासी के समन्वय के लिए बुडापेस्ट (हंगरी) में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। 2,200 से अधिक भारतीयों को स्वदेश वापस लाने के लिए रविवार को बुडापेस्ट, कोसिसे, रेजजो और बुखारेस्ट से ग्यारह और विशेष उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। इजरायल में भारत के दूतावास के उप प्रमुख राजीव बोडवाडे को भी विशेष डयूटी पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया, ठहमारे पास हंगरी-यूक्रेन सीमा पर टीमें हैं जो हमें इस बात की जानकारी दे रही हैं कि कितने भारतीय सीमा पार कर रहे हैं, अन्य टीमें आवास, परिवहन आदि की देखभाल कर रही हैं। 150 से अधिक स्वयंसेवक हमारी मदद कर रहे हैं।

किसान लड़ने से पहले सवालों को समझें,फिर एकजुट होकर अपनी सरकार बनाएं - सत्यपाल मलिक

जींद (ईएमएस)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किसानों से सवालों को समझने, राज बदलने, फिर एकजुट होकर अपनी सरकार बनाने का कहा है। मलिक गांव कंडेला में आयोजित कंडेला खाप एवं माजरा खाप द्वारा आयोजित किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खुद को ताकतवर बनाएं, लेकिन यह तभी संभव है, जब दिल्ली में लाल किले पर खुद का झंडा फहराओगे।

खापों की ओर से उन्हें पगड़ी और भाईचारे की मिसाल हुक्का भेंट किया गया। उन्होंने खापों द्वारा दिए गए किसान सम्मान रत्न को ग्रहण करने के बाद उन किसानों को वापस कर दिया, जिन्होंने किसान आंदोलन में अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि किसान एक साल से ज्यादा वक्त तक सड़कों पर दिल्ली में गर्मी, सर्दी तथा बारिश की परवाह किए बिना डटे रहे।

उन्होंने कहा कि खापें हमारी ताकत हैं। जब भी खापों को जरूरत होगी, तो वे उनके साथ खड़े होंगे। उन्होंने लड़कियों को पढ़ाने, सामूहिक भोज बंद करने और दहेज प्रथा पर रोक लगाने की अपील की।

जन हितैषी

रेलवे का कवच

भारतीय रेलवे के सुरक्षा इतिहास में शुक्रवार 5 मार्च का दिन नई इबारत लिखने वाला साबित हुआ। दो ट्रेनों को चंद मीटर के फासले से एक दूसरे से भिड़ने से रोक दिया गया। दरअसल यह रेलवे की नई स्वदेशी सुरक्षा तकनीक कवच के दम पर हुआ। इस इतिहास के साक्षी खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बने। कवच ने सामने से आ रही ट्रेन की भिड़ंत से पूर्व रेल मंत्री की ट्रेन को 380 मीटर पहले ही रोक दिया। तेलंगाना के सिकंदराबाद में ट्रेनों के बीच कवच का परीक्षण किया गया। एक ट्रेन के इंजन पर रेल मंत्री वैष्णव सवार थे तो सामने से आ रही दूसरी ट्रेन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन व अन्य बड़े अधिकारी। यह परीक्षण सनत नगर-शंकरपल्ली खंड पर किया गया। कवच ऐसी स्वदेशी तकनीक है, जिसके इस्तेमाल से दो ट्रेनों की टक्कर रोकी जा सकेगी। यह दुनिया की सबसे सस्ती रेल सुरक्षा तकनीक है। जीरो ट्रेन एक्सीडेंट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस कवच का विकास किया गया है। यह स्वदेश में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। कवच को एक ट्रेन को स्वतः रोकने के लिए बनाया गया है। जब डिजिटल सिस्टम को रेड सिग्नल या फिर किसी अन्य खराबी जैसी कोई मैन्युअल गलती दिखाई देती है, तो इस तकनीक के माध्यम से संबंधित मार्ग से गुजरने वाली ट्रेन अपने आप रुक जाती है। इस तकनीक को लागू करने के बाद इसके संचालन में 50 लाख रुपए प्रति किलोमीटर का खर्च आएगा। यह दूसरे देशों की तुलना में बहुत कम है। दुनिया भर में ऐसी तकनीक पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च आता है। इस तकनीक में जब ऐसे सिग्नल से ट्रेन गुजरती है, जहां से गुजरने की अनुमति नहीं होती है तो इसके जरिए खतरे वाला सिग्नल भेजा जाता है। लोको पायलट अगर ट्रेन को रोकने में विफल साबित होता है तो फिर कवच तकनीक के जरिए से अपने आप ट्रेन के ब्रेक लग जाते हैं और हादसे से ट्रेन बच जाती है। इस तकनीक के अमल की घोषणा बजट में की गई थी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत दो हजार किलोमीटर के रेलवे नेटवर्क को कवच तकनीक के दायरे में लाया जाएगा। अब तक, दक्षिण मध्य रेलवे की चल रही परियोजनाओं में कवच को 1098 किमी से अधिक मार्ग और 65 इंजनों पर लगाया जा चुका। यह तकनीक दिल्ली-मुंबई और दिल्ली हावड़ा कॉरिडोर पर लागू करने की योजना है। इस रूट की लंबाई करीब 3000 किलोमीटर है। केंद्र सरकार ने साल 2017 में एम-कवच ऐप को लॉन्च किया था। इससे यात्रियों को काफी सुरक्षा मिलेगी। बजट में रेल मंत्रालय को 140367.13 करोड़ रुपए आवंटित किए गए है जो पिछले वित्त वर्ष से 20,311 करोड़ रुपए अधिक है। रेलवे ने दावा किया है कि इस कवच को ट्रेन में लगाने के बाद ट्रेनों के हादसे तकरीबन शून्य हो जाएंगे। कवज का पहला फील्ड ट्रायल फरवरी 2016 में शुरू किया गया था और मई 2017 में इसे पूरा कर लिया गया था। इसके बाद थर्ड पार्टी के द्वारा इसकी सुरक्षा का आकलन कराया गया। इसके बाद तीन फर्म को को आरडीएसो ने इसे तैयार करने के लिए चुना। पहले चरण में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के लिए इसे फाइनल किया गया बाद में इसे 160 किलोमीटर प्रति घंटे से चलने वाली ट्रेनों के लिए फाइनल किया गया। कवच प्रणाली मौजूदा सिग्नलिंग सिस्टम के साथ संपर्क बनाये रखता है तथा इसकी जानकारी परिचालन से जुड़े प्राधिकृत व्यक्तियों को निरंतर साझा करता रहता है। यह प्रणाली किसी भी आपात स्थिति में स्टेशन एवं लोको ड्राइवर को तत्काल कार्रवाई के लिए सचेत करने साइड-टक्कर, आमने-सामाने की टक्कर एवं पीछे से होने वाली टक्करों की रोकथाम करने में पूर्णतः सक्षम है । इसके साथ ही यह सिस्टम रोल बैक एवं फॉरवर्ड और रिवर्स मूवमेंट की स्थिति में लगातार सचेत करता है। साथ ही समपार फाटकों की जानकारी स्वचालित सिटी के माध्यम से प्रदान करता है।

अंजाम-ए-प्रियंका, यूपी में क्या होगा

संदर्भ- यूपी के चुनाव में कांग्रेस

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में हो रहे विधानसभा के चुनावों पर सबकी निगाहें लगी हैं। यह पहली बार है जब यूपी में भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस पूरी ताकत से चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार चुनाव को लेकर ये चारों ही पार्टियाँ गठबंधन से दूर हैं। यूपी में भाजपा, सपा और बसपा तीनों ही दलों का बोलबाला है और ये तीनों ही दल सत्ता में काबिज हो चुके हैं। सपा-बसपा और कांग्रेस साथ भी रह चुके हैं।

यूपी में 30 वर्षों में शिखर से शून्य पर पहुँच चुकी कांग्रेस के लिये इस बार का विधानसभा चुनाव इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस सत्ता से हटने के बाद यूपी में पहली बार चार सौ सीटों पर अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ रही है। 2017 में सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहा। कांग्रेस को सपा ने सौ सीटें लड़ने दी थीं लेकिन कांग्रेस को मामूली सफलता ही मिल पायी। इस बार सपा ने कांग्रेस से गठबंधन करने इंकार कर दिया। इसलिये कांग्रेस भी सभी सीटों पर मैदान में उतरी है। कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की पुत्री और राहुल गांधी की बहन श्रीमती प्रियंका गांधी कांग्रेस में जब सक्रिय हुईं तो उन्हें उत्तरप्रदेश का कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया। दो हिस्सों में यूपी को बांट कर एक हिस्से का प्रभारी प्रियंका गांधी को तथा दूसरे हिस्से का प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया को बनाया गया था। सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद प्रियंका गांधी ने अकेले ही पूरी यूपी का मोर्चा सम्हाला। कांग्रेस में आने के पहले प्रियंका रायबरेली में अपनी माँ और अमेठी में अपने भाई का ही चुनाव प्रचार करती रहीं।

प्रियंका ने यूपी में बुरी तरह से उखड़ चुकी कांग्रेस के संगठन को पूरे राज्य में खड़ा करने की पहली बार कोशिश की है। संगठन के खड़े हो जाने का सबसे बड़ा सबूत यह है कि आज कांग्रेस पहली बार यूपी की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

उत्तरप्रदेश में कांग्रेस कोई बहुत बड़ा कमाल दिखा पायेगी इसकी संभावना बहुत कम है। दावा तो ये भी किया जा रहा है कि कांग्रेस दो अंकों में भी सीटें नहीं जीत पायेगी। लेकिन सभी सीटों पर चुनाव लड़ना कांग्रेस की एक उपलब्धि तो माना ही जाना चाहिये। चुनावी नतीजों के बाद उत्तरप्रदेश में कांग्रेस को जो कुछ भी हासिल होगा उसका श्रेय प्रियंका गांधी के ही खाते में जायेगा।

प्रियंका गांधी ने कांग्रेस को चुनावी मुकाबले में बनाये रखने की जी-जान से कोशिश की है। इसके लिये उनने दिल्ली का घर छोड़कर यूपी की राजधानी लखनऊ में अपना घर बना लिया। पूरे समय यूपी में रहकर उनने चुनाव के लिये लड़ाकू तेवर अपनाये हैं। प्रियंका ने 40 प्रतिशत महिलाओं को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाकर महिलाओं में भी अच्छी पैठ बनायी है।

ये कहा जा रहा था कि यूपी में कांग्रेस को उम्मीदवार ढूंढ़े नहीं मिलेंगे। लेकिन प्रियंका गांधी ने जिस तरह से संगठन में जान फूंकी उसका नतीजा ये हुआ कि एक-एक सीट पर आश्चर्यजनक रूप से टिकिट के दावेदारों के बीच असंतोष भी बढ़ा। कई दावेदारों ने टिकिट न मिलने पर कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। यूपी में टिकिट न मिलने से नाराज कांग्रेसी अभी भी पार्टी छोड़ रहे हैं। टिकिट नहीं मिलने से नाराज गुलाबी गैंग की कमांडर संपतपाल ने कांग्रेस छोड़ दी और चित्रकूट में इनको खुद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भाजपा में शामिल करवाया।

10 मार्च को चुनावी नतीजों से पता चलेगा कि यूपी में कांग्रेस ने क्या खोया क्या पाया? यह भी देखा जायेगा कि कांग्रेस कितनी सीटों पर दूसरे और तीसरे नंबर पर रही। यह भी बड़ी बात होगी कि कांग्रेस की चार सौ सीटों में कितनी सीटों पर जमानत बचती। प्रियंका गांधी ने यूपी में पहली बार कांग्रेस को चुनाव मैदान में मुकाबले में लाने के लिये जो प्रयास किये हैं आगे यह पता चलेगा कि यूपी में अंजाम-ए-प्रियंका क्या होगा।

(लेखक-सच्चिदानंद शेकटकर / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

07 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

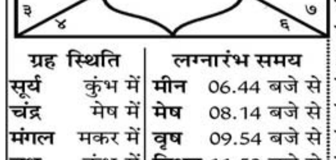

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.44 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	08.14 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.54 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.52 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.06 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.22 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.34 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.44 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.59 ब.से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		धनु	01.15 बजे से
		मकर	03.20 बजे से
		कुंभ	05.07 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 66 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 22.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 05.54 बजे प्रातः को समाप्त।
योग इन्द्र 00.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 09.48 बजे तदनन्तर बालव 22.33 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871180
जूलियन दिन 2459645.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 03

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अविश्वास, वर्चस्व व विस्तारवाद है हर युद्ध का कारण

आख़िरकार पिछले कई महीनों से रूस व यूक्रेन के मध्य चल रही युद्ध की दुर्भाग्यपूर्ण आशंका हक़ीक़त में बदल ही गयी। 1922 से लेकर 1991 तक यूनियन ऑफ़ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक अर्थात (ळएएं) के रूप में एक साथ रहने वाले रूस व यूक्रेन का एक दूसरे देशों से ऐसा विश्वास उठ जायेगा कि दोनों देश युद्ध के उस मोड़ पर जा खड़े होंगे जहाँ से तीसरे विश्व युद्ध की चर्चा होने लगेगी, यह सोचा भी नहीं जा सकता था। परन्तु आज यह दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति दुनिया के सामने है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि एक देश अथवा संघ के रूप में कभी साथ रहे ऐसे देश जब कभी भौगोलिक दृष्टि से अलग होते हैं तो किसी न किसी कारण उन्हीं देशों में परस्पर ऐसी रंजिश हो जाती है कि बात युद्ध की विभीषिका तक आ पहुँचती है। युद्ध नामक इस 'सामूहिक नरसंहार' को भी समय समय पर अलग अलग नाम दिये जाते हैं। कभी यह तेल के लिये होने वाली लड़ाई बताई जाती है तो कभी इसे हथियार उत्पादक देशों द्वारा अपने हथियारों की बिक्री के लिये रचा गया चक्रव्यूह बताया जाता है। कोई इसे ईसाई -मुस्लिम के बीच छिड़ा सभ्यता का संघर्ष परिभाषित करता है तो कोई इसे रंग भेद की संज्ञा देता है। यहाँ तक कि कुछ लोग अभी से यह भी भविष्यवाणी करने लगे हैं कि भविष्य में पानी के लिये भी विश्व युद्ध हो सकता है।

युद्ध की विभीषिका का सामना करने वाले देशों में जब बच्चों, बुज़ुर्गों व लाचार महिलाओं की चीत्कार सुनाई देती है। उस समय ज़ेहन यह सोचने के लिये मजबूर हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र में बैठे एक से बढ़कर एक बुद्धिजीवी, दुनिया का बड़े से बड़े 'थिंक' टैंक संगठन, दुनिया के देशों में शासन करने वाले तथाकथित रणनीतिकार व राजनीतिज्ञ, कूटनीज्ञ गोया स्वयं को दुनिया का सबसे संभ्रांत व अभिजात वर्ग समझने वाले 'सफ़ेद पोश' लोगों के पास किन्हीं दो देशों के बीच पैदा होने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिये आख़िर युद्ध ही एकमात्र रास्ता क्यों बचता है? और यदि युद्ध ही किसी विवाद का एकमात्र हल है ऐसे में युद्ध में मारे जाने वाले लोग जिनकी युद्ध के लिये न तो सहमति होती है, न ही वे युद्ध में हिस्सा ले रहे होते हैं, ऐसे साधारण नागरिकों को बम बारी का शिकार बनाना, पूरा देश तबाह कर देना, बसे-बसाये आबाद शहरों को खंडहर में तब्दील कर देना, इंसानों की लाशों को चील कौवों का शिकार बनने के लिये छोड़ देना, क्या यही सब डरावनी परिस्थितियां दुनिया के अभिजात्य वर्ग के हाथों में होने का परिणाम हैं? दुनिया के कई देश तो वहां के 'सनकी' शासकों की ज़िद व उनकी हठधर्मिता की वजह से बर्बाद हो चुके हैं।

इसी तथाकथित 'अभिजात' वर्ग की एक और 'वैश्विक स्तर' की चतुराई देखिये। जिन हथियारों से बेगुनाह निहत्थों को मारा जाता है वह हथियार भी इन्हीं निरीह लोगों के टैक्स के पैसों से बनाये या ख़रीदे जाते हैं। परन्तु दुनिया के चंद गिने चुने लोग इन्हीं हथियारों से जब और जहाँ चाहें लाखों करोड़ों लोगों को मारने का फ़ैसला कर बैठते हैं। जनता के पैसों से हथियार ही नहीं बनाया या ख़रीदा जाता बल्कि युद्ध थोपने या युद्ध का निर्णय लेने वाले इस राजनैतिक व प्रशासनिक रणनीतिकारों का शाही ख़र्च, इनका सारा ऐश-ो-आराम, सभी सुविधायें भी जनता के टैक्स के पैसों से ही पूरी की जाती हैं? प्रायः पूरी दुनिया में करदाताओं द्वारा टैक्स अपने अपने देश के विकास व प्रगति के लिये दिया जाता है। परन्तु अनेक देश इन्हीं पैसों का इस्तेमाल अपने देश के रक्षा बजट पर करते हैं। यदि कोई देश परमाणु संपन्न देश बन गया तो वह अपनी उसी 'नरसंहारक' उपलब्धि पर इतराता फिरता है। वह अपने प्रतिस्पर्धी अथवा दुश्मन देशों को 'परमाणु' बम की गीदड़ भपकी देता रहता है।

ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जो थ्योरी बताई जा रही है उसके अनुसार यूक्रेन को भरोसा था कि पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका 'नाटो' सदस्य देशों के साथ मिलकर उसकी मदद करेंगे। नेटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने यह कहा भी है कि रूस ने यूरोप में शांति भंग कर दी है। परन्तु फ़िलहाल अमेरिका या नाटो की ओर से किसी तरह की सहायता यूक्रेन को नहीं पहुंची है। उल्टे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने ही अमेरिका सहित नाटो देशों को चेतावनी दे डाली है कि वे दूर रहें अन्यथा परिणाम प्रलयकारी होंगे। नतीजतन यूक्रेन जो कि हर लिहाज़ से रूस के मुक़ाबले एक कमज़ोर देश है, को अकेले ही युद्ध की त्रासदी झेलना पड़ रही है। यूक्रेन के हज़ारों लोग अपनी जान बचाने के लिए पोलैंड, रोमानिया, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे पड़ोसी देशों की ओर पनाह लेने के लिये जा रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदीमीर ज़ेलेंस्की इस बात को लेकर भयभीत हैं कि राजधानी कीव पर रूस भीषण हमला कर सकता है। यूक्रेन में लोग पश्चिमी देशों की मदद की आस लगाये बैठे हैं। राजधानी कीव में हथियारों की दुकानों में बंदूक़, गोलियां व अन्य शस्त्र समाप्त हो चुके हैं। इन हालात में 1971 के उस भारत पाक के युद्ध की याद आती है जब पाकिस्तान अमेरिका द्वारा भेजे गये सातवें युद्ध पोत का इंतेज़ार ही करता रह गया और भारत की मदद से पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया। गोया कोई विकसित देश किसी दूसरे देश की लड़ाई अव्वल तो लड़ता नहीं और यदि युद्ध में कूदता भी है तो अपना हित व स्वार्थ देखकर। वैसे भी वियतनाम से लेकर इराक़, अफ़ग़ानिस्तान जैसे कई देशों में पूर्व में किये गये अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप व उनके परिणाम उसे बहुत कुछ सोचने के लिये मजबूर करते हैं।

ज़रा सोचिये कि यदि दुनिया का शासक वर्ग वास्तव में ज़िम्मेदार, संभ्रांत, अभिजात व बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करे तो यह दुनिया कितनी सुंदर, प्रगतिशील, विकसित, ख़ुशहाल व संपन्न होगी। ऐसे सुन्दर विश्व के निर्माण के लिये दुनिया के शासकों को अपनी उन पारंपरिक सोच का त्याग करना होगा जो आमतौर पर युद्ध का कारण बनती हैं। और वह सोच है अविश्वास, वर्चस्व तथा विस्तारवाद की।आज अधिकांश पड़ोसी देश एक दूसरे पर संदेह करते हैं। विस्तारवाद की नीति पर चलते हुये अनेक देश एक दूसरे की ज़मीन हड़पने की जुगत में रहते हैं। कुछ देश कभी अपना क्षेत्रीय तो कभी वैश्विक वर्चस्व बनाने के लिये युद्ध लड़ते हैं जैसे ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध जोकि रूस द्वारा यूक्रेन को बहाना बनाकर वैश्विक वर्चस्व के लिये लड़ा जा रहा है।

दुनिया के युद्ध विरोधी व अमन पसंद लोगों के लिये हर दौर में 'साहिर' लुधियानवी की यह नज़्म कितनी प्रासंगिक प्रतीत होती है कि -

ख़ून अपना हो या पराया हो
नस्ल-ए-आदम का ख़ून है आख़िर
जंग मशरिक़ में हो कि मग़रिब में
अम्न-ए-आलम का ख़ून है आख़िर
बम घरों पर गिरें कि सरहद पर
रूह-ए-तामीर ज़ख़्म खाती है
खेत अपने जलें कि औरों के
ज़ीस्त फ़ाक़ों से तिलमिलाती है
टैंक आगे बढ़ें कि पीछे हटें
कोख धरती की बाँझ होती है
फ़तह का जश्न हो कि हार का सोग
ज़िंदगी मय्यतों पे रोती है
जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी
आग और ख़ून आज बख़्शेगी
भूख और एहतियाज कल देगी
इसलिए ऐ शरीफ़ इंसानों
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आँगन में
शम्मा जलती रहे तो बेहतर है।

(लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

तोप के मुहाने पर खड़ी मानव सभ्यता और कमजोर पड़ते मानवीय मूल्य

साहिर लुधियानवी की एक नज़्म है कि, ठख़ून अपना हो या पराया हो; नस्ल-ए-आदम का ख़ून है आख़िर। जंग मशरिक़ में हो कि मग़रिब में, अम्न-ए-आलम का ख़ून है आख़िर।ठ वर्तमान दौर में ये पंक्तियां एकदम सटीक बैठती हैं, क्योंकि जिस दौर में आज हम जी रहें हैं या कहें मानव सभ्यता जिस तरफ बढ़ रही है। उस मौजूदा हालात को देखकर यही अंदेशा लगाया जा रहा है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की तरफ़ बढ़ रही है। दुनिया में अमन चैन जैसे शब्द अब बेमानी से लग रहे हैं। अभी चंद समय पहले ही दुनिया कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के भयाभय दौर से गुज़री है। एक ऐसी महामारी जिसका कोई इलाज़ नहीं, चंद पलों में ही लोगो ने अपनो को दम तोड़ते देखा है और ये किसी एक राष्ट्र की तस्वीर नहीं थी, बल्कि सम्पूर्ण विश्व में इस महामारी के चलते जो मौत का तांडव हुआ उसे भला कौन भूल सकता है? देखा जाए तो इस महामारी के ज़ख्म अभी भरे भी नहीं है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की तरह बढ़ चली है। कोरोना महामारी ने विश्व को यह आईना जरूर दिखाया कि भले भी कोई देश कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो? भले ही परमाणु बम और अणुबम पर इतरा लें और महाशक्ति होने का गुमान क्यों न हो? लेकिन जब कोई महामारी मौत बनकर आती है। फिर 2022 में भी उसे सहजता के साथ टाला नहीं जा सकता है। इतना ही नहीं कोरोना काल में न सिर्फ अर्थव्यवस्था के पहिये लड़खड़ाये, बल्कि उल्लेखनीय बात है कि इस दौरान इंसान तक का मनोबल डगमगा गया। लोग डर के माहौल में जीने को मजबूर हो गए, लेकिन इस दौरान की जो एक विशेष बात रही। वह ये थी कि इस दौरान प्रकृति ने अपनी प्रवृत्ति नहीं बदली। ऐसे में दुनिया योग, प्राणायाम व शाकाहार की तरफ बढ़ी और आज इसी से प्रेरणा लेकर अमेरिका ने भी अपने 40 विश्व विद्यालयों में 'अहिंसा परमो धर्माः' का संदेश देते हुए सात्विक आहार से जुड़े पाठयक्रम को संचालित करने का निर्णय लिया है। जो न केवल कर्णप्रिय और सुकून देने वाला है, बल्कि एक सराहनीय पहल भी है। भले ही यह बहुत छोटी पहल हो पर अमेरिका जैसे देश का अहिंसा के प्रति झुकाव कई मायनों में अहम हो जाता है। पर मानव अपने स्वार्थ को त्याग दे यह भला कहाँ तक सम्भव है? आज यह कौन नहीं जानता कि युद्ध भले ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा हो, लेकिन इस युद्ध में अमेरिका का योगदान भी कम नहीं है। यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाने का काम अमेरिका ने ही किया है। इस युद्ध के अपने कई मायने है और इतना ही नहीं सबके अपने-अपने स्वार्थ भी है, लेकिन क्या युद्ध किसी भी समस्या का समाधान हो सकता है? नहीं ना!

गौरतलब हो कि दूसरी तरफ वर्तमान दौर में समूचा विश्व ग्लोबल वार्मिंग जैसे वैश्विक संकट को झेल रहा है। जिसका परिणाम आए दिन भूकम्प, बढ़ते जल संकट के रूप में सामने आ रहा है। इंसान स्वच्छ हवा-पानी तक को तरस रहा है। तो वहीं कोरोना का संकट भी अभी टला नहीं है। आए दिन नये-नये वेरिएंट लोगो पर मौत बनकर मंडरा रहे हैं। पर हमें इन सब बातों से भला कहाँ फर्क पड़ने वाला है? हमें तो आधुनिकता का नंगा नाच जो करना है। नित नए प्रयोग करना है, अणुबम बम से लेकर परमाणु बम तक का परीक्षण करना है। विश्व शक्ति बनना है। ऐसे में सर्वश्रेष्ठ बनने की चाहत में हम अपने ही विनाश की इबारत लिख रहे हैं। इसमें समूचा विश्व बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहा है। आज भले ही हम अपनी तकनीकी पर इतरा ले लेकिन आने वाली पीढ़ी को हम बारूद के ढेर पर बैठा रहे है। हमें समझना होगा कि मानव मात्र की भलाई अणुबम और परमाणु बम पर नहीं बल्कि सत्य, अहिंसा और दयाभाव पर टिकी हुई है। इसे केवल पाठयक्रम तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। बल्कि हर मानव का यही धेय्य होना चाहिए कि उनके मन में दया और करुणा हो। लेकिन वर्तमान परिदृश्य को देखकर तो यही लगता है जैसे दो देशों का युद्ध महज़ समूचे विश्व के लिए मनोरंजन का साधन बन गया हो। किसी के दुःख दर्द को देखकर मानव संवेदना जैसे मर सी गई हो। दुनिया में भुखमरी, कुपोषण पर चर्चा हो न हो लेकिन किस देश के पास क्या और कितने हथियार है, कितने बम मिसाइल है इसकी चर्चा जोरों से शुरू हो गई है। ऐसे में हमें समझना होगा कि एक भूखे इंसान को हथियार नहीं बल्कि पेट भर अनाज चाहिए। अणुबम और परमाणु बम पर बैठकर अमन चैन की आस करना बेमानी है।

देखा जाए तो दुनिया में यूं तो समय-समय पर कई युद्ध लड़े गए। खून की नदियां बहा दी गई, परमाणु हथियारों तक का प्रयोग हुआ। पर इन युद्ध से किसका भला हुआ? युद्ध के केवल दुष्परिणाम ही सामने आते है। रूस यूक्रेन युद्ध भी कुछ समये के बाद थम जाएगा, लेकिन इस युद्ध में जिन लोगो ने अपनो को खोया है क्या उसकी भरपाई की जा सकेगी? प्रकृति के प्रदूषण को हम युद्ध के कारण पल भर में कई गुणा बढ़ा देंगे क्या उसको कम कर सकेंगे? कीव जो कि यूक्रेन की राजधानी है। आज जहरीले हवा का गुब्बारा उसके आसमान में घूम रहा है। ऐसे में सवाल कई हैं, लेकिन प्रभुत्व की लड़ाई ऐसी है जिन्हें हम देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। आज नहीं तो कल हमें इसके दुष्परिणाम भुगतने ही होंगे। तब कोई हथियार कोई असलहा- मिसाइल काम नहीं आएगी। आंकड़ो की बात करें तो 2020 में भारत सैन्य खर्च के मामले में अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। फिर भी आए दिन पाकिस्तान और चीन अपनी गिद्ध दृष्टि गड़ाये हुए है। भले ही पाकिस्तान में भुखमरी चरम पर हो लेकिन वहां की सरकार हथियार खरीदने में कोई कंजूसी नहीं करती है। भारत में अशांति फैलाने के लिए इन हथियारों का प्रयोग करती रहती है। वैसे यह पाकिस्तान को तय करना है कि उसके देश वासियों के लिए रोटी जरुरी है या फिर हथियार। वहीं अब कई देशों ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए अपना सैन्य बजट बढ़ाने की तैयारी कर ली है, जिसमें जर्मनी ने अपना सैन्य बजट 47 अरब यूरो से बढ़ाकर 100 अरब यूरो कर दिया है। ऐसे में समझ सकते हैं कि दुनिया अब अपने बच्चों को शिक्षा देने से ज्यादा हथियारों को इकट्ठा करने पर उतावली है। फिर मानव सभ्यता और उसके मानवीय मूल्य कहाँ टिकेंगे? यह अपने आपमें बड़ा सवाल है।

ऐसे में निष्कर्ष स्वरूप यह कहें कि आज हर देश की सम्पन्नता का पैमाना बदल गया है, तो यह अतिश्योक्ति नहीं और अब जिस देश के पास जितना ज्यादा हथियार है। वह देश उतना ही शक्तिशाली माना जाने लगा है। दो देशों के युद्ध में समूचा विश्व अपना नफ़ा नुकसान तलाशने लगता है। उसे कोई फर्क नहीं पड़ता कि युद्ध के परिणाम क्या होंगे? कितने निर्दोष लोगों की जान चली जाएगी? लोग बेघर हो जाएंगे। मानव की प्रवृत्ति भी कितनी अजीब है कि कभी एक छोटे जीव की हत्या पर विश्व भर में कोहराम मचा देते है। आंदलोन की बाढ़ लग जाती है, लेकिन आज कोई देश आगे बढ़कर यह पहल करना ही नहीं चाहता कि युद्ध थम जाए। ऐसे में सवाल तो वैश्विक स्तर के संगठनों और महाशक्ति का दम्भ भरने वाले देशों पर भी है, लेकिन ये मानव प्रवृत्ति जो न करा दें। वह कम है, लेकिन अंतिम सत्य यही है कि युद्ध से किसी देश के संसाधनों पर कब्जा किया जा सकता, न कि वहां के लोगों के दिल जीते जा सकते। ऐसे में युद्व और उसमें इस्तेमाल होने वाले उपकरणों से सृष्टि विनाश की तरफ ही बढ़ेगी, लेकिन यह समझने को तैयार कौन है। सवाल तो यही है, वरना महाशक्ति बनने की होड़ तो सबमें है।

(लेखिका-सोनम लववंशी / ईएमएस)

आज का इतिहास 7 मार्च

1573 तुर्की और वेनिस के बीच युद्ध समाप्त हुआ था.
1793 फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया और नार्वे पर भी हमला किया.
1835 यूरोपीय साहित्य और विज्ञान को भारत में बढ़ावा देने के लिए अंग्रेजी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाया गया.
1876 मिस्र को इथोपियाई फौजों से हार का सामना करना पड़ा.
1911 साहित्यकार स.ही.बात्स्यायन का जन्म.
1951 ईरान के प्रधानमंत्री अली रजमारा की हत्या हुई.
1961 पंडित गोविंद वल्लभ पंत का निधन.
1967 इंडोनेशिया में राष्ट्रपति सुकर्ण के स्थान पर मेजर जनरल सुहार्तो कार्यकारी राष्ट्रपति बने.
1968 परमाणु ब्लैकशेल और आक्रमण से कमजोर देशों की रक्षा करने का संकल्प लिया.
1977 सऊदी अरब ने अफ्रीका को अश्वेत देशों को अक अरब डॉलर देने की घोषणा की.
1991 इराक में राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फौजों ने विद्रोह के बाद बसरा के चार सौ लोगों को मौत के घाट उतार दिया.
1998 अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा पार्टी के संसदीय दल नेता बने.
2000 आंध्र प्रदेश के पंचायती राज्यमंत्री ए.माधव रेडंडी की हत्या हुई.
2003 जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति मुगाबे सहित 76 अधिकारियों पर अमरीकी प्रतिबंध लगा.
2007 दर्शकों को बेहतर समाचार सेवाएं मुहैया कराने के लिए प्रमुख समाचार चैनलों ने मिलकर न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एसोसिएशन का गठन किया.

शब्द पहेली - 7217

बाएँ से दाएँ
1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे
1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -7216 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईपीएल का पहला मैच सीएसके और केकेआर के बीच होगा : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2022 के 15वें सत्र के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई के इस कार्यक्रम के अनुसार आईपीएल सत्र का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाईट राईडर्स (केकेआर) के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7 बज कर 30 मिनट पर शुरु होगा।

वहीं आईपीएल की शुरूआत 26 मार्च से हो रही है जबकि 29 मई को लीग का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इस बार आईपीएल में दो नई टीमें शामिल की गयी हैं। इस प्रकार इस बार 8 की जगह 10 टीमें खेलेंगी। लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस की नई टीमें पहली बार आईपीएल में भाग ले रही हैं। वहीं इस बार आईपीएल में 70 मैच खेले जाएंगे। कोरोना संक्रमण के मामले कम होने के कारण आईपीएल के सभी मुकाबले भारत में ही खेले जाएंगे। ये मैच महाराष्ट्र के मुम्बई और पुणे में खेले जाएंगे। इसमें 55 मैच मुंबई में होंगे। इमसें वानखेड़े स्टेडियम में 20 सीसीआई के मैदान में 15 जबकि डीवाई पाटिल में 20 मैच खेले जाएंगे। वहीं पुणे के मैदान एमसीए मैदान में 15 मैच खेले जाएंगे।

434 विकेट लेते ही कपिल की बराबरी पर पहुंचे अश्विन

मोहाली (ईएमएस)। टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अपने 85 वें टेस्ट में अश्विन ने तीसरे दिन श्रीलंका की दूसरी पारी में पाथुम निसांका का विकेट लेते ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही अश्विन ने महान ऑलराउंडर कपिल देव के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। अब दोनों गेंदबाज टेस्ट में संयुक्त रुप से 434-434 विकेट के साथ भारत के दूसरे सफल गेंदबाज बन गये हैं। वहीं पहले नंबर पर दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले हैं। कंबले के नाम टेस्ट में 619 विकेट हैं।

दूसरी ओर पूर्व भारतीय कप्तान कपिल ने 131 टेस्ट में 434 विकेट लिए थे। 23 बार 5 और 2 बार 10 विकेट लेने का कारनामा किया। वहीं अश्विन का यह 85वां टेस्ट है। उन्होंने अब तक 434 विकेट लिए हैं। 30 बार 5 और 7 बार 10 विकेट झटके लिए हैं। अश्विन अभी टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में 9वें नंबर पर हैं। श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं।

150 से अधिक रन और 5 विकेट लेने वाले विश्व के छठे गेंदबाज बने जडेजा

मोहाली (ईएमएस)। श्रीलंका के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को मिली जीत में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की अहम भूमिका रही है। जडेजा ने जहां पहली पारी में पांच विकट लिए। वहीं . बल्लेबाजी के दौरान नाबाद 175 रन बनाये। इसके साथ ही जडेजा ने एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।

जडेजा एक टेस्ट मैच में 150 से अधिक रन और एक पारी में 5 विकेट लेने वाले विश्व के छठे गेंदबाज बन गये हैं। 49 साल बाद किसी खिलाड़ी ने यह रिकार्ड बनाया है। इससे पहले अंतिम बार साल 1973 में पाकिस्तान के मुश्ताक मोहम्मद ने श्रीलंका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा यह कारनामा करने वाले तीसरे भारतीय भी हैं। इससे पहले 1952 में वीनू मांकड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ और 1962 में पॉल उमरीगर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। मांकड़ ने 186 रन जबकि उमरीगर ने नाबाद 172 रन बनाए थे. वेस्टइंडीज के डेनिस एनकिंसन और गैरी सोबर्स भी उन 6 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं, जिन्होंने एक टेस्ट में 150 रन बनाने के अलावा 5 विकेट भी लिए हैं।

हंस एफसी ने दिल्ली महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता

नई दिल्ली (ईएमएस)। हंस वुमैन एफसी ने दिल्ली महिला प्रीमियर लीग 2021-22 खिताब जीता है। हंस वुमैन ने खिताबी मुकाबले में सिग्नेचर एफसी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर यह जीत दर्ज की। दोनों टीमें तय समय तक 1-1 की बराबरी पर थीं जिससे मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। सिग्नेचर एफसी की ओर से भागवती जबकि हंस वुमैन एफसी की ओर से ज्योति ने गोल किया। इस मुकाबले की विजेता टीम को एक ट्राफी और 50 हजार रूपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। वहीं उप विजेता को 25,000 रूपये की राशि मिली है। इस खिताब की जीत के साथ ही हंस वुमैन एफसी ने इंडियन वुमैन्स लीग के लिये प्रवेश हासिल कर लिया है।

छह विश्व कप खेलने वाली विश्व की पहली महिला क्रिकेटर बनीं मिताली

माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां मैदान में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही मिताली सबसे ज्यादा छह आइसीसी महिला विश्व कप खेलने वाली विश्व की पहली क्रिकेटर बनी हैं। पाकिस्तान के खिलाफ हुए इस मुकाबले में मिताली बड़ा स्कोर नहीं बना पायीं और केवल छह रनों पर ही आउट हो गयीं।

मिताली से पहले डेबी हाक्ले और कारलोट एडवर्ड्स का सबसे ज्यादा पांच-पांच महिला विश्वकप खेलने का रिकार्ड था। वहीं तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी और कैथरीन ब्रंट का भी यह पांचवां महिला विश्व कप टूर्नामेंट है। मिताली ने साल 2022 से पहले 2000, 2005, 2009, 2013 और 2017 महिला विश्व कप में भी भाग लिया था। वहीं पुरुष खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा सचिन तेंदुलकर और पाकिस्तान के जावेद मियांदाद ने छह-छह एकदिवसीय विश्व कप खेले हैं। अब मिताली राज ने इन दोनों की बराबरी कर ली। तेंदुलकर ने भारत के लिए 1992, 1996, 1999, 2003, 2007 और 2011 एकदिवसीय विश्व कप में भाग लिया था। मिताली ने अब तक 226 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

रूस और बेलारूस को अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक से किया गया बैन

लुसाने (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) ने यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। एफआईजी की कार्यकारी समिति (ईसी) ने आपात बैठक में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सिफारिशों, एफआईजी एथलीट आयोग के रुख और कई राष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं और ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया। एफआईजी ने कहा, जजों सहित रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों को 7 मार्च, 2022 से अगली सूचना तक एफआईजी प्रतियोगिताओं या एफआईजी-स्वीकृत प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसका मतलब है कि इन दोनों देशों के एथलीट और अधिकारी 10 से 13 मार्च तक अजरबैजान के बाकू में एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकते हैं।

एफआईजी ने कहा, हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं, कि इन असाधारण और आपातकालीन उपायों को युद्ध के कारण बनीं असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर तय और जारी किया गया है। हम जिमनास्टिक की अखंडता, सदस्यों और सभी एथलीटों और प्रतिभागियों की सुरक्षा और अखंडता को बनाए रखने और सभी प्रकार की हिंसा तथा खेल अन्याय के खिलाफ लड़ने के उद्देश्य से निवारक उपायों का गठन करते हैं।

मध्यक्रम को रन बनाने होंगे : मिताली

माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने आईसीसी महिला विश्वकप के पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जतायी है पर साथ ही कहा है कि टीम को अपने प्रदर्शन में अभी और सुधार करना होगा। भारतीय महिला टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान को 107 रनों से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। मिताली ने कहा कि हमें अभी बहुत सी चीजों को बेहतर करना है।

मिताली ने कहा कि हमारी टीम के लिए हर मैच जीतना अभी जरूरी है। पर अभी भी हमें बहुत सी चीजों पर काम करना होगा। मिताली ने कहा कि मध्यक्रम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि इसके असफल होने से निचले क्रम पर ज्यादा दबाव आता है। विश्वकप जैसे सबसे बड़े टूर्नामेंट में रन बनाना शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी है।

मिताली ने पाक के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाली पूजा वस्त्राकर और स्नेह राणा की बल्लेबाजी की भी जमकर प्रशंसा की है। मिताली ने कहा है कि जब आपके पास टीम में इस तरह की खिलाड़ी होती हैं तो बल्लेबाजी क्रम काफी लंबी हो जाती है। स्नेह और पूजा की सातवें विकेट के लिए की गयी रिकार्ड साझेदारी से ही भारतीय टीम इस मैच में बेहतर स्कोर बना पायी।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत से गेहूं निर्यात में आई तेजी

- चालू वित्त वर्ष में गेहूं निर्यात अब तक 66 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस से जंग की वजह से दुनिया भर के व्यापार का गणित बिगड़ गया है। इस दौरान क्रूड ऑयल, मेटल, एडिबल ऑयल, गेहूं आदि कमोडिटी के दाम में उछाल आ गया है लेकिन भारत को एक फायदा भी हुआ है। यह फायदा है गेहूं के निर्यात में तेजी। इससे भारत के गेहूं किसानों की बल्ले-बल्ले है। केंद्र सरकार के फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडेय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण वैश्विक कीमतों में उछाल के बाद भारत से गेहूं के निर्यात में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि देश से होने वाला कुल गेहूं निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक 66 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर को छू चुका है। यह आंकड़ा बीते फरवरी के अंत में ही छुआ जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक अवसर है। क्योंकि गेहूं के अन्य वैश्विक उत्पादकों की तुलना में देश में गेहूं की नई फसल 15 मार्च से उपलब्ध हो जाएगी। इसलिए इस समय जो वैश्विक बाजार में गेहूं की जो रिक्ति हुई है, उसे भारत भर सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन मिलकर वैश्विक गेहूं आपूर्ति के लगभग एक चौथाई हिस्से का निर्यात करते हैं। उनकी गेहूं की फसल इस साल अगस्त और सितंबर में पकेगी। नतीजतन, वैश्विक बाजार में गेहूं की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं और 24,000-25,000 रुपए प्रति टन के दायरे में चल रही हैं।

उन्होंने बताया ?कि अब तक गेहूं का निर्यात वित्त वर्ष 2012-13 में हासिल किए गए 65 लाख टन के ऐतिहासिक उच्च स्तर को पार कर चुका है। अभी भी एक महीना बाकी है, आप इस साल लगभग 70 लाख टन से अधिक निर्यात की उम्मीद कर सकते हैं। यह भारतीय किसानों और निर्यात के लिए अच्छी खबर है। कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार भारत का गेहूं उत्पादन फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में 11 करोड़ 13.2 लाख टन के नए रिकॉर्ड को छूने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष में यह उत्पादन 10 करोड़ 95.9 लाख टन था। रबी की मुख्य फसल गेहूं 15 मार्च से बाजार में आने लगेगी। देश भर के सरकारी गोदामों में गेहूं का सरप्लस भंडार भी है। भारतीय चीनी की मांग रूस-यूक्रेन संकट के कारण नहीं बल्कि वैश्विक बाजार में निर्यात के लिए चीनी की सीमित आपूर्ति होने के कारण बढ़ रही है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय दरों में वृद्धि हुई है। खाद्य तेलों के मामले में जिसके लिए भारत काफी हद तक आयात पर निर्भर है। हमारी स्थिति काफी आरामदायक है।

व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने की अपील करें भारत व अन्य देश : दिमित्रो कुलेबा

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने एक टेलीविज़न संबोधन में भारत व अन्य देशों की सरकारों से रूस से यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युद्ध का अंत सभी राष्ट्रों के सर्वोत्तम हित में होगा। विशेष रूप से भारत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा भारत यूक्रेन के कृषि उत्पादों के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है और अगर यह युद्ध जारी रहा, तो हमारे लिए नई फसल बोना मुश्किल हो जाएगा।

इसलिए वैश्विक और भारतीय खाद्य सुरक्षा के मामले में भी, इस युद्ध को रोकना जरूरी है। दिमित्रो कुलेबा ने रूस के साथ विशेष संबंध रखने वाले भारत सहित सभी देशों से अपील की है कि वह व्लादिमीर पुतिन को युद्ध खत्म करने की अपील करें उन्होंने कहा कि यह युद्ध सभी के हित के खिलाफ है। उन्होंने भारत के आम नागरिकों से युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाने को भी कहा है। रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के नए दौर की मांग करते हुए, उन्होंने पड़ोसी देश पर संघर्ष विराम समझौतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और मास्को से विदेशी नागरिकों सहित नागरिकों को निकालने की अनुमति देने के लिए गोलीबारी को बंद करने का आग्रह किया।

दिमित्रो कुलेबा ने कहा 30 वर्षों के लिए, यूक्रेन अफ्रीका, एशिया के हजारों छात्रों के लिए एक स्वागत योग्य घर था। उनके आंदोलन को सुविधाजनक बनाने के लिए, यूक्रेन ने ट्रेनों की व्यवस्था की, हॉटलाइन स्थापित की, दूतावासों के साथ काम किया। यूक्रेनी सरकार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने अपने संबोधन में दावा किया कि रूस उन देशों की ठसहानुभूति जीतने की कोशिश कर रहा है जिनके यूक्रेन में विदेशी नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि अगर रूस विदेशी छात्रों के मामले में छेड़छाड़ करना बंद कर देता है, तो उन सभी को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा मैं भारत, चीन और नाइजीरिया की सरकारों से अपील करता हूं कि रूस से आग को रोकने और नागरिकों को जाने की अनुमति देने की अपील करें।

भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को एक पारी और 222 रनों से हराया

जडेजा रहे मैन ऑफ द मैच

मोहली (ईएमएस)। नये कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज में भी जीत के साथ शुरुआत की है। भारतीय टीम ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम श्रीलंका को एक पारी और 222 रनों से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले रविन्द्र जडेजा को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। जडेजा ने पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाने के साथ ही गेंदबाजी के दौरान पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। इस प्रकार उन्होंने कुल 9 विकेट अपने नाम किये। जडेजा के शतक से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 574 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद श्रीलंकाई टीम अपनी पहली पारी में 174 रनों पर ही आउट हो गयी। पहली पारी के आधार पर 400 रनों से पीछे होने के बाद फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 178 रनों पर ही आउट हो गई। इस प्रकार श्रीलंका को एक पारी और 222 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा।

तीसरे दिन जैसे ही आर अश्विन ने लाहिरू कुमारा के रुप में श्रीलंका की टीम का आखिरी विकेट लिया भारतीय टीम को जीत मिल गयी। अश्विन ने लाहिरू को 4 रनों पर ही आउट कर दिया। श्रीलंका की टीम को दूसरा झटका भी अश्विन ने ही दिया। अश्विन ने पाथुम निसांका को 6 रन पर आउट किया।

वहीं श्रीलंका की टीम का 9वां विकेट तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिया। शमी ने विश्व फर्नांडों को शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया।

लसिथ एम्बुलडेनिया ने भारतीय गेंदबाजों को रोकने का प्रयास किया पर जडेजा ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया।

इसके बाद जडेजा ने सुरंगा लकमल को अपना शिकार बनाया। पहली पारी की तरह ही लकमल दूसरी पारी में भी खाता नहीं खोल पाये।

अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को जडेजा ने 28 रन बनाकर पेवेलियन भेज दिया।

अश्विन ने चरिथ असलंका को 20 रन पर आउट कर श्रीलंकाई टीम को पांचवां झटका लिया। विराट कोहली के हाथों कैच आउट करवाकर भारतीय टीम को 5वीं सफलता दिलाई।

श्रीलंका को चौथा विकेट डीसिल्वा के रूप में गिरा वह जडेजा की गेंद पर श्रेयस के हाथों 30 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

कप्तान दिमुथ करूणारत्ने 27 बनाकर शमी का शिकार बने।

श्रीलंकाई टीम की दूसरी पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और फॉलोऑन के बाद बल्लेबाजी के लिए पहुंची श्रीलंकाई टीम ने अपना पहला विकेट गंवा लिया है। अश्विन ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू थिरिमाने को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया।

रूस-यूक्रेन जंग और विधानसभा चुनावों के नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?विश्लेषकों का कहना है ?कि इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान, तेल की कीमतों और विधानसभा चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा चीन और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर 10 मार्च को विधानसभा चुनावों के नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। ?विशेषज्ञों के मुता?बिक वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध एक महत्वपूर्ण कारक है, जो अस्थिरता का कारण बनेगा। इसके अलावा अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े 10 मार्च को घोषित होंगे, जिस पर भी वैश्विक बाजारों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि कमोडिटी की कीमतें बढ़ रही हैं। खासतौर से कच्चे तेल की कीमतें, जो 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब हैं, भारतीय बाजार के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। इसलिए कच्चे तेल की कीमतों पर बाजार की नजर रहेगी। इस हफ्ते रूस-यूक्रेन संकट और कच्चे तेल पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर प्रतिभागी 10 मार्च को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा 11 मार्च को आईआईपी के आंकड़े भी आने हैं। बीते सप्ताह तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते घरेलू बाजारों में गिरावट का रुख रहा। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,524.71 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 413.05 अंक गिरा। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि शेयर बाजार की दिशा भू-राजनीतिक तनाव से काफी प्रभावित होगी। युद्ध के दौरान जिंसों और कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और मुद्रास्फीति के आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली कार्रवाई में महत्वपूर्ण संकेतक बन सकते हैं।

उत्तर कोरिया के स्पाई सेटेलाइट टेस्ट ने बढ़ाई कई देशों की धड़कनें

- उत्तर कोरिया द्वारा किए गए टेस्ट की अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने कड़े स्वरों में की ??निंदा

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने इस माह अपना दूसरा परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस बार उसने एक बेहद महत्वपूर्ण टोही उपग्रह (स्पाई सेटेलाइट) का टेस्ट किया है। बता दें कि शनिवार को ही उसने एक मिसाइल परीक्षण किया था जिसको बेलेस्टिक मिसाइल बताया गया था। इस वर्ष में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया ये 9वां टेस्ट है। इस परीक्षण के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के देशों की चिंता बढ़ गई है। उत्तर कोरिया की एक समाचार एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। उत्तर कोरिया द्वारा किए गए इस टेस्ट की अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने कड़े स्वरों में निंदा की है। इनका मानना है कि उत्तर कोरिया आने वाले समय में प्रमुख हथियार परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। इन देशों का कहना है उत्तर कोरिया का किया गया परीक्षण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का सीधेतौर पर उल्लंघन है। बता दें कि उत्तर कोरिया की नेशनल एयरोस्पेस डेवलेपमेंट एडमिनिसट्रेशन और अकादमी आफ डिफेंस साइंस ने मिलकर ये टेस्ट किया है।

खबर के मुता?बिक ये टोही उपग्रह विकसित करने की योजना के तहत किया गया है। नाडा की तरफ से इस टेस्ट को बेहद कंट्रोल और सफल बताया गया है। बता दें कि 27 फरवरी को किए गए टेस्ट के बाद उत्तर कोरिया ने इस बात का खुलासा नहीं किया था कि इसमें उसने किस राकेट का इस्तेमाल किया है लेकिन दक्षिण कोरिया का कहना था कि ये एक बेलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण था। दक्षिण कोरिया की जानकारी के मुताबिक ये मिसाइल 560 किमी की ऊंचाई तक गई और करीब 270 किमी की दूरी इसने तय की थी। रतलब है कि परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के टूट जाने के बाद उत्तर कोरिया ने इस साल जनवरी में रिकार्ड संख्या में मिसाइल टेस्ट किए हैं। 2017 के बाद उत्तर कोरिया की तरफ से कहा गया था कि वो सबसे लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। यहां पर ये भी बताना जरूरी है कि उत्तर कोरिया की तरफ से ये टेस्ट ऐसे समय में किए जा रहे हैं जब दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। उत्तर कोरिया निकट भविष्य में अपने जासूसी उपग्रह को कक्षा में लान्च करने की तरफ प्रयास कर रहा है। दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार ली जे-म्युंग के शीर्ष विदेश नीति सलाहकार ली जोंग-सोक ने रायटर्स को बताया है कि कोई भी उपग्रह प्रक्षेपण गंभीर नतीजे लाएगा, क्योंकि यह आईसीबीएम लान्च करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक है।

संघर्षविराम भंग होने के बाद अधर में लटका यूक्रेन का देश के रूप में भविष्य : पुतिन

लवीव (ईएमएस)। यूक्रेन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन का देश का दर्जा खतरे में पड़ गया है। उन्होंने पश्चिमी प्रतिबंधों को रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा करार देते हुए कहा कि कब्जे में आए बंदरगाह शहर मारियुपोल में आतंकी घटनाओं की वजह से संघर्षविराम भंग हुआ है। इस बीच, यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया है कि शनिवार को रूसी सेना ने मरियुपोल में बमबारी तेज कर दी और वह कीव के उत्तर स्थित चेरनीहीव के रिहायशी इलाकों में शक्तिशाली बम गिरा रही है।

पुतिन ने कहा जो वे (यूक्रेनी) कर रहे हैं और अगर उसे जारी रखा तो वे यूक्रेन के देश के दर्जे पर सवाल उठाने का आह्वान कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इसके लिए वे पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। उन्होंने रूस की अर्थव्यस्था को नुकसान पहुंचाने और उसकी मुद्रा को कमजोर करने के लिए लगाए जा रहे प्रतिबंधों पर पश्चिमी देशों को आड़े हाथ लिया। पुतिन ने रूसी विमानन कंपनी एयरोफ्लोट के फ्लाइट अटेंडेंट के साथ हुई मुलाकात में कहा लगाए जा रहे प्रतिबंध युद्ध की घोषणा के समान हैं। वहीं, यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया कि रूसी तोपखाने और विमानों ने बमबारी कर लोगों की निकासी के कार्य को बाधित किया जबकि पुतिन ने यूक्रेन पर इस प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाया।

विदेशी निवेशकों का घटा भरोसा, भारतीय बाजारों से मार्च में अब तक निकाले 17,537 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का भारतीय बाजार से पैसे निकालने का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने मार्च के 3 ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी की है। विदेशी निवेशकों की मौजूदा धारणा रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से उत्पन्न अनिश्चितता से प्रभावित हुई है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 2 से 4 मार्च के दौरान इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए और डेट सेगमेंट से 2,808 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 9 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे कुल नेट आउटफ्लो 17,537 रुपये करोड़ हो गया। गौरतलब है कि एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा युद्ध से उत्पन्न अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से वैश्विक स्तर पर बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की वजह से वै?श्विक बाजार में कच्चे तेल के भाव में जबरदस्त उछाल आया हुआ है। वहां पर कच्चे तेल का भाव 111.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाहाकार मचा हुआ है तो वहीं भारत में घरेलू तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। नवंबर 2021 से तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। गौरतलब है कि हर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। ईंधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था ईंधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था गौरतलब है कि पिछले साल 4 नवंबर को केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज डयूटी को हटाया था उसके बाद से राज्य सरकारों ने भी ईंधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था, जिसके बाद तेल के दामों में कमी आई थी लेकिन आज भी कई राज्यों में एक लीटर पेट्रोल का दाम 100 रु प्रति लीटर से ज्यादा है।

रूस से तेल और गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में अमेरिका, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दिए बड़े संकेत

वाशिंगटन । यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से अमेरिका ने भले ही प्रत्यक्ष तौर पर दूरी बना रखी है लेकिन परोक्ष रूप से वह जेलेंस्की की मदद कर रहा है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन (ँहूदहब ँत्हवह) ने रविवार को कहा कि अमेरिका के पास यूक्रेन में युद्ध अपराधों की विश्वसनीय रिपोर्ट है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच रूस से तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने के सिलसिले में बातचीत चल रही है।

सीएनएन से विशेष साक्षात्कार में ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन में हमने कुछ घातक हथियारों के इस्तेमाल के बारे में बहुत विश्वसनीय रिपोर्ट देखी है। रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने की संभावना पर ब्लिंकन ने कहा कि मैंने कल राष्ट्रपति और कैबिनेट के अन्य सदस्यों के साथ इस विषय पर बात की थी। हम अपने यूरोपीय साझेदारों और सहयोगियों से इस मसले पर बात कर रहे हैं। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रतिबंधों के कारण दुनिया के बाजारों में तेल की आपूर्ति प्रभावित ना हो।

दरअसल यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और पश्चिमी देशों की ओर से अब तक रूस के ऊर्जा उद्योग पर कोई ठोस और घातक प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं। मित्र देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिबंधों का कोई बड़ा प्रतिकूल असर नहीं पड़े इसको देखते हुए ऐसे कदमों से बचा गया है। हालांकि ब्लिंकन के इस बयान से रूसी तेल और गैस के आयात पर प्रतिबंधों की आशंकाएं गहराने लगी हैं।

उल्लेखनीय है कि रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला बोल दिया था। इस पर पश्चिमी देशों ने गहरी नाराजगी जताई थी। साथ ही रूस पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। प्रतिबंधों का सिलसिला छिटपुट तरीके से अभी भी जारी है नतीजतन रूस की अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ने की आशंकाएं हैं। हालांकि रूस की आक्रामकता कम होने के बजाए बढ़ती ही जा रही है। रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं।

यूक्रेन के तीसरे न्यूक्लियर प्लांट की तरफ बढ़ रहे रूसी सै?निक

कीव (ईएमएस)। रूस का यूक्रेन पर हमला लगातार चल रहा है। इस बीच खबर आ रही है कि रूसी सैनिक तीसरे परमाणु संयंत्र की ओर बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने खुद यह जानकारी अमेरिका के दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने अमेरिकी सीनेटरों के साथ एक कॉल के दौरान कहा कि रूसी सेना ने अब दो यूक्रेनी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को जब्त कर लिया है और अब तीसरे की तरफ बढ़ रही है। ज़ेलेंस्की ने कहा कि तीसरा संयंत्र वर्तमान में खतरे में है। जेलेंस्की जिस न्यूक्लियर प्लांट की बात कर रहे हैं वह युज्नौक्रेनस्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। यह उत्तर में 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह उन शहरों में से एक है जिसे रूसी शनिवार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। वहीं, रूस के नियंत्रण में यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी है। दूसरा चेरनोबिल भी अब रूसी कब्जे में है। हालांकि यह फिलहाल सक्रिय नहीं है, लेकिन अभी भी कर्मचारी वहां मौजूद हैं। रूसी गोलाबारी से ज़ापोरिज़्ज़िया संयंत्र में आग लग गई थी। एक ट्वीट में ज़ेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से उन्होंने फोन पर बात की। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच रूसी आक्रमण से सुरक्षा, यूक्रेन के लिए वित्तीय सहायता और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को जारी रखने पर बात हुई है।

बीएसई ने एमएसएमई की सूचीबद्धता बढ़ाने एम-टीआईपीबी से किया समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीएसई ने तमिलनाडु सरकार के एमएसएमई व्यापार और निवेश संवर्धन ब्यूरो (एम-टीआईपीबी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य सूचीबद्धता के लाभ के बारे में राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच जागरूकता बढ़ाना है। बीएसई ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एम-टीआईपीबी जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से एसएमई प्रतिनिधियों को पूंजी जुटाने में सहायता करेगा और अपने एमएसएमई सदस्यों को क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बीएसई तमिलनाडु में छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और अन्य मदद देगी। इसके अलावा, बीएसई पूरे तमिलनाडु में एसएमई के बीच सूचीबद्धता के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बौद्धिक और जनशक्ति सहायता भी प्रदान करेगा। एम-टीआईपीबी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि बीएसई ने भारतीय पूंजी बाजार के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। तमिलनाडु एसएमई को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म में सूचीबद्ध करके आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने का अवसर प्रदान करेगा। बीएसई देश में पहला स्टॉक एक्सचेंज था, जिसने एमएसई मंच शुरु किया। एसएमई प्लेटफॉर्म ने मार्च 2012 में अपना काम शुरू किया। तब से 363 से अधिक कंपनियों ने बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया है और 4,000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं।

गोलियां लगने से घायल भारतीय हरजोत सिंह की सोमवार को स्वदेश वापसी होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन में रूसी हमले में गोलियां लगने से घायल भारतीय हरजोत सिंह की सोमवार को स्वदेश वापसी होगी। उसको यूक्रेन की राजधानी कीव में एक कैब में सवार होते वक्त चार गोलियां लगी थीं और उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। विदेश राज्य मंत्री वीके सिंह ने कहा कि ऑपरेशन गंगा के तहत हरजोत सिंह की सोमवार को वतन वापसी होगी। वीके सिंह उन चार मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा गया है। वीके सिंह पोलैंड में इस मुहिम में जुटे हैं। हरजोत सिंह को जब गोली मारी गई थी तो उसी वक्त उसका पासपोर्ट भी गुम हो गया था। मंत्री ने ट्वीट कर कहा, यह जानकारी देकर खुशी हो रही है कि हरजोत कल भारत आ रहा है। उम्मीद करता हूं कि घर के खाने और देखभाल के साथ वो जल्द ही स्वस्थ होगा।

रूस ने मचाई यूक्रेन में भीषण तबाही, कई शहर हुए तबाह

-रूस ने कहा- यूक्रेन का एस-300 ध्वस्त और 748 टैंक भी बर्बाद

मॉस्को(ईएमएस)। रूस ने यूक्रेन में भीषण तबाही मचा दी है। आलम ये है कि वहां कई शहर तबाह हो चुके हैं। राजधानी कीव से लेकर खारकीव, मारियूपोल, सुमी, ओडेशा में रूस ने भारी बमबारी की है। इसी बीच रूस ने दावा किया है कि उसने 11 दिन में यूक्रेन के 2203 से अधिक सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में सैन्य उपकरणों को भी निशाना बनाया है। रूस ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन के मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-300 को भी नष्ट कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि रूसी सशस्त्र बलों ने 11 दिन से जारी जंग में यूक्रेन की जमीन पर 69 विमान और हवा में 21 विमान, 748 टैंक और अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 76 रॉकेट लॉन्चर, 274 फील्ड आर्टिलरी और मोर्टार, विशेष सैन्य वाहनों की 532 इकाइयां, 59 मानव रहित हवाई वाहन उपकरण ध्वस्त किए हैं।

रूसी रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रतिनिधि मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि शनिवार यानी 5 मार्च को रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के सैन्य ठिकाने पर हमला किया। इस हमले में रूस ने यूक्रेन के 5 रडार स्टेशन और 2 बुक एम-1 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम को तबाह कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमने यूक्रेन में ऑपरेशन के दौरान 2203 सैन्य ठिकानों को तबाह किया है। साथ ही यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 74 कंट्रोल प्वाइंट और कम्युनिकेशन सेंटर, 108 एस-300, बुक एम -1 और ओसा एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम के साथ 68 रडार स्टेशनों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है।

सरकार ने ओएमएसएस नीति में किया संशोधनः खाद्य सचिव

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने थोक उपभोक्ताओं और निजी व्यापारियों के लिए खाद्यान्न की खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) में संशोधन किया है, जिसके तहत पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण माफ किए गए परिवहन शुल्क को फिर से बहाल कर दिया है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने यह जानकारी दी। ओएमएसएस नीति के तहत सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को थोक उपभोक्ताओं और निजी व्यापारियों को समय-समय पर खुले बाजार में पूर्व निर्धारित कीमतों पर खाद्यान्न, विशेष रूप से गेहूं और चावल बेचने की अनुमति देती है। नीति का उद्देश्य विशेष रूप से बेमौसम के दौरान अनाज की आपूर्ति बढ़ाना है और इस प्रकार सामान्य खुले बाजार में, विशेष रूप से घाटे वाले क्षेत्रों में कीमतों को कम करना है। पांडेय ने एक आभासी संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा ?कि संशोधित ओएमएसएस नीति में केवल एक बदलाव किया गया है और परिवहन शुल्क को फिर से बहाल किया गया है, जो खर्च कोविड-19 के कारण पिछले साल भारत सरकार ने वहन किया गया था। सचिव ने यह भी उल्लेख किया कि इस वर्ष ओएमएसएस के तहत अनाज की बिक्री अब तक की सबसे अधिक रही है और 75 लाख टन के लक्ष्य को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि कुल बिक्री 85 लाख टन तक पहुंच गई है।

क्या रूस और नाटो में चीन करवा पाएगा दोस्ती?

-अमेरिका-चीन के विदेश मंत्री की यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत

-मॉस्को इसके कारण एक बड़ी कीमत चुकाएगाःब्लिंकन

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ मास्को के यूक्रेन के खिलाफ पूर्व नियोजित, अकारण और अनुचित युद्ध के बारे में बात की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक बयान में कहा, दुनिया देख रही है कि कौन से देश स्वतंत्रता, आत्मनिर्णय और संप्रभुता के बुनियादी सिद्धांतों के लिए खड़े हैं। नेड प्राइस के बयान में रूस की आक्रमकता पर निशाना साधते हुए यह भी चेताया गया कि मॉस्को अपनी इस कदम के कारण एक बड़ी कीमत चुकाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पूरी दुनिया इस समय रूस की आक्रमकता के खिलाफ एक जुट होकर खड़ी हुई है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि वांग ने ब्लिंकन से फोन पर बात की। अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, वांग ने ठसंयुक्त राज्य अमेरिका, नाटो, यूरोपीय संघ और रूस को समान स्तर पर बातचीत में शामिल होने, वर्षों से जमा हुए विरोधाभासों और समस्याओं का सामना करने और ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। रूस के सुरक्षा वातावरण पर नाटो के निरंतर पूर्व की ओर विस्तार का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पोलैंड के अधिकारियों द्वारा स्थापित एक स्वागत केंद्र का दौरा किया, जो कभी यूक्रेन के साथ लगी सीमा के करीब कोरचोवा में एक शॉपिंग मॉल हुआ करता था। वहां लगभग 3,000 शरणार्थियों ने अपनी मातृभूमि पर रूसी आक्रमण के बाद शरण ले रखी है। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने माताओं और उनके बच्चों से उनकी लंबी और जोखिमभरी यात्रा की कहानी सुनी। ब्लिंकन से 12 साल की वेनेरा अहमदी ने कहा, ''हमने अपने घर के पास बम विस्फोटों की आवाज़ सुनी।'' उसने कहा कि वह अपने भाई और बहन, छह कुत्तों और सात बिल्लियों के साथ यूक्रेन की राजधानी कीव से 600 किलोमीटर अधिक दूर आयी थी। उसने बताया, ''हम सीमा की ओर चलते गए, मुझे नहीं पता कि हम कितने घंटे चले। हमने पैदल ही सीमा पार की।'' वेनेरा की 16 वर्षीय बहन, जैस्मीन ने कहा, ''मुझे यह डर सता रहा था कि मैं मर जाऊंगी।'' नतालिया कादिग्रोब (48) अपनी चार दत्तक संतान के साथ जर्मनी स्थित अपने भाई के घर जाने के लिए क्रोपिव्नित्स्की से लगभग 800 किलोमीटर बस से सफर कर इस केंद्र पर पहुंची, जबकि उसके पति साथ नहीं आए। उसने कहा, ''वहां हवाई अड्डे पर विमानों पर बमबारी की गई। निःसंदेह हम भयभीत थे।'' तात्याना (58) ने अपनी बेटी एना (37) और उसकी छह वर्षीय और एक वर्षीय बेटियों कात्या और किरा के साथ खारकीव से लगभग 1,000 किलोमीटर दूर आई है।

इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड में हुआ काफी इजाफा

- मात्र 15 पैसे में चलती है 1 किमी तक इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक टू वीलर्स माइलेज के मामले में काफी किफायती होते हैं। इलेक्ट्रिक बाइक मात्र 15 पैसे में 1 किमी तक चलती है। यहां आज हम आपको रिवॉल्ट 400 बाइक के माइलेज के बारे में बताएंगे। इसमें इलेक्ट्रिक बाइक में 3.24 किलोवाट का बैटरी पैक दिया गया है। यहां समझने योग्य बात है कि एक किलोवाट की बैटरी को चार्ज करने में एक यूनिट बिजली का खर्च आता है।

अगर मान लें एक यूनिट की कीमत 7 रुपये है तो इसे एक बार फुल चार्ज करने में करीब 23 रुपये का खर्च आएगा। मतलब इसे इस बाइक का खर्च प्रति किलोमीटर करीब 15 पैसे होगा। यह बाइक बायर्स के बीच काफी पॉप्युलर है। जुलाई में जब कंपनी ने इस बाइक के लिए बुकिंग्स ओपन की थी तो सारी यूनिट्स मिनटों में बिक गई थी। कंपनी ने दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे 6 शहरों में इसकी बुकिंग शुरू की थी। रिवॉल्ट आरवी 400 में 156 किलोमीटर तक का रेंज मिलता है। यानी एक बार फुल चार्ज करने पर यह इलेक्ट्रिक बाइक बिना रुके 156 किलोमीटर तक का सफर तय करती है। वहीं, रफ्तार की बात करें, तो इसमें 85 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड मिलती है। इसका वजन 108 किलोग्राम है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स मिलते हैं। इनमें ईको, नार्मल और स्पोटर्स शामिल हैं। वर्तमान में भारतीय बाजार में यह सबसे पॉप्युलर इलेक्ट्रिक बाइक्स में शुमार की जाती है। बता दें कि बीते कुछ दिनों से भारत में इलेक्ट्रिक वीकल्ज का चलन तेजी से बढ़ रहा है और बीते कुछ वक्त में इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड में काफी इजाफा हुआ है।

रूस-यूक्रेन में दावों की जंग, रूस ने कहा- उड़ाए 90 एयरक्राफ्ट, 748 टैंक

-यूक्रेन ने कहा- उसने रूस के 11 हजार रूसी सैनिक ढेर कर दिए हैं

कीव(ईएमएस)। रूसी हमलों से यूक्रेन अब पस्त है लेकिन वो भी अपना दम दिखाने में पीछे नहीं हट रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के 2203 सैन्य ठिकाने तबाह किए हैं। वहीं यूक्रेन कह रहा है कि उसने रूस के 11 हजार रूसी सैनिक ढेर कर दिए हैं। भले ही यूक्रेन पर रूस 11 दिन से हमला कर रहा है। यूक्रेन भी मोर्चे पर डटा हुआ है। वहीं रूस का दावा है कि उसने यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा कर लिया है। रूसी सैनिक वहां भारी तबाही मचा रहे हैं। रूस ने अब यूक्रेन के एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह करने का दावा किया है। साथ ही विशेष अभियान के दौरान 2,203 सैन्य ठिकानों को उड़ा दिया। इसके अलावा भी कई सैन्य उपकरण नष्ट किए हैं। इसके साथ ही रूस दावा कर रहा है कि उसने 274 फील्ड आर्टिलरी और मोर्टार, विशेष सैन्य वाहनों की 532 इकाइयां, 59 मानव रहित हवाई वाहन उपकरण ध्वस्त किए हैं। साथ ही जमीन पर 69 विमान और हवा में 21 विमान को ध्वस्त कर दिया।

वहीं यूक्रेन के भी अपने दावे हैं। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने अब तक 11 हजार रूसी सैनिकों को जंग में ढेर कर दिया है। साथ ही कहा कि यूक्रेन ने भारी संख्या में रूसी सैनिकों को बंधक बना लिया है। इसके चलते उसे युद्धबंदी शिविर बनाने पड़ेंगे। वहीं यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने दावा किया कि उनकी सेना ने 5 मार्च तक रूसी सेना के 79 फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर मार गिराए हैं। साथ ही 269 रूसी टैंक, 945 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन और 45 मल्टी रॉकेट लॉन्च सिस्टम को भी तबाह कर दिया है। यूक्रेन के अलावा यूएन ने दावा किया है कि यूक्रेन में अब तक 351 आम लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं बीते दिन पेंटागन की ओर से दावा किया गया था कि रूस ने 7 दिन में यूक्रेन पर 500 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। औसतन 71 मिसाइलें दागी हैं।

'भिक्षा नहीं, शिक्षा' मंत्र के साथ सिग्नल प्रोजेक्ट प्रारंभ, देश के राज्यों के लिए लिए पथदर्शक बनेगा गुजरात

- वंचित-भिक्षावृत्ति या बीच से स्कूल छोड़ देने वाले दरिद्र बच्चों को मिलेगी शिक्षा सुविधा

- मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद में सिग्नल स्कूल प्रोजेक्ट की 30 से अधिक मोबाइल स्कूल बसों को प्रस्थान कराया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद में गुजरात हाई कोर्ट परिसर से 'सिग्नल स्कूल प्रोजेक्ट' प्रारंभ कराया। इस अवसर पर उन्होंने विशिष्ट संवेदनशील एवं समाज को प्रेरित करने वाला दृष्टिकोण दर्शाते हुए शिक्षा से वंचित एक दरिद्र बालक को दत्तक लिया। मुख्यमंत्री ने संकल्प व्यक्त किया कि वे इस बच्चे की शिक्षा का दायित्व स्वयं उठाएँगे। गुजरात सरकार, गुजरात स्टेट लीगल सर्विसेज़ ऑथोरिटी तथा अहमदाबाद महानगर पालिका के म्युनिसिपल स्कूल बोर्ड के संयुक्त सहयोग से यह सिग्नल स्कूल प्रोजेक्ट प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत तैयार की गई बसों को फ़्लैग ऑफ़ कराया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम. आर. शाह, सुश्री बेलाबेन त्रिवेदी, गुजरात हाई कोर्ट के चीफ़ जस्टिस अरविंद कुमार, वरिष्ठ न्यायाधीश आर. एन. छाया. एडवोकेट जनरल कमल त्रिवेदी, सुश्री मनीषाबेन, राज्य के विधि मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी, शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी और अहमदाबाद के महापौर किरीटभाई आदि पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर सामूहिक सामाजिक दायित्व का भी आह्वान किया कि यह समाज हितकारी प्रोजेक्ट केवल अहमदाबाद महानगर तक सीमित न रहे, बल्कि राज्य में व्यापक स्तर पर शुरू हो और शिक्षा-दीक्षा से वंचित दरिद्र बच्चों को शिक्षा व संस्कार मिलें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह दृष्टिकोण वंचित, निर्धन तथा ज़रूरतमंद परिवारों के बच्चों के भविष्य में शिक्षा की ज्योत से आशा की नई किरण प्रकट करेगा। राज्य में विभिन्न कारणों से कभी भी स्कूल न जा सके, बीच से ही स्कूल छोड़ देने वाले, चालियों, रेलवे स्टेशनों-बस स्टैण्डों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर खुले में समय बरबाद करने वाले और ट्रैफ़िक सिग्नलों पर भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों के लिए 'भिक्षा नहीं, शिक्षा' ध्येय मंत्र के साथ यह सिग्नल स्कूल प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। समाज में कोई बच्चा शिक्षा-संस्कार से वंचित न रहे और ज़रूरतमंद दरिद्र परिवारों के बच्चों को विपरीत स्थिति में भी बीच से शिक्षा न छोड़ देनी पड़े; ऐसे समाज हितोन्मुखी दृष्टिकोण तथा वंचित बच्चों को गोद लेकर उनमें शिक्षा-संस्कार उजागर करने की मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की पहल समाज के अन्य सम्पन्न व्यक्तियों, दाताओं के लिए प्रेरणादायी बनेगी।

शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने इस संबंध में विस्तृत विवरण देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अरविंद कुमार की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में शुरू हुआ यह शिक्षा स्कूल प्रोजेक्ट देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायी बनेगा। उन्होंने बताया कि चीफ़ जस्टिस श्री अरविंद कुमार ने बेंगलुरू (कर्नाटक) में अपने कार्यकाल के दौरान यही दृष्टिकोण अपनाने की पहल की थी। जीतू वाघाणी ने जोड़ा कि राज्य सरकार ने भी गुजरात के सुदूरवर्ती-अंदरूनी क्षेत्रों में शिक्षा सुविधा देने के साथ-साथ ऐसे वंचित बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए मुख्यंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशा-दर्शन में सफल प्रयास शुरू किए हैं। शिक्षा से वंचित एक बालक को विद्या दान व शिक्षा संस्कार देने के लिए दत्तक लेने के मुख्यमंत्री के संकल्प से इन प्रयासों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आह्वान के चलते वे (वाघाणी) तथा विधि मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी स्वयं भी ऐसे वंचित बच्चों के शिक्षा, संस्कार सिंचन के लिए बालक दत्तक लेने वाले हैं।

इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इण्डिया के जस्टिस एम. आर. शाह ने गुजरात सरकार के केयरिंग व शेयरिंग के नए दृष्टिकोण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस नए दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के प्रति ऋण अदा हो रहा है। जो बच्चे सिग्नल पर भिक्षा मांगते हैं, उन्हें यदि इस प्रकार शिक्षा मिलेगी, तो भविष्य में आगे आने का अवसर मिलेगा। बच्चे पढ़-लिख कर आगे आएँगे, तो देश का भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। उन्होंने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सिग्नल पर भिक्षा मांगने वाले बच्चों को दत्तक लेने की सभी से अपील की।

सिग्लन स्कूल के माध्यम से शहर के अलग-अलग सिग्नलों पर सुबह एवं शाम के समय शिक्षा दी जाएगी। सिग्नल स्कूल में सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इस स्कूल बस में ब्लैकबोर्ड, शिक्षक के लिए टेबल तथा कुर्सी, एलसीडी टीवी, वाई-फ़ाई, सीसीटीवी, पीने के पानी, मिनी पंखे आदि सुविधाएँ हैं। इन बच्चों को विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सकीय जाँच, मध्याह्न भोजन, म्युनिसिपल स्कूलों में दी जाने वाली अन्य सुविधाएँ भी दी जाएँगी और एक वर्ष बाद निकटस्थ स्कूल में दाख़िला देकर मुख्य धारा में लाया जाएगा।

गुजरात में कोरोना के 71 नए मामले, 1 कॉर्पोरेशन और 13 जिलों में एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के केवल 71 नए केस सामने आए हैं, वहीं 140 लोगों के ठीक होकर अपने घर लौटने से रिकवरी रेट 99.03 प्रतिशत हो गया है। राज्य में अब तक 1211413 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। आज राज्य में कोरोना से 1 मरीज की मौत हो गई। दूसरी ओर टीकाकरण के मोर्चे पर भी सरकार मजबूती के साथ लड़ रही है। राज्य में आज 36843 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। पिछले 24 घंटे में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 29, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 11, वडोदरा में 5, तापी में 4 और बनासकांठा में 3 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। वहीं अहमदाबाद, भावनगर कॉर्पोरेशन, दाहोद, डांग, गांधीनगर, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2-2, अमरेली, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, मेहसाणा, पाटण, राजकोट, सूरत कॉर्पोरेशन और वलसाड में 1-1 केस दर्ज हुआ। जबकि 21 जिले और 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया। राज्य के 12 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 914 एक्टिव केसों में 908 स्टेबल हैं और 9 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में अब तक 1211413 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10935 मरीजों की कोरोना से जान चली गई। रविवार को राज्य में 36843 लोगों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 18 से अधिक आयु वर्ग के 3704 को पहला और 13638 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 2400 किशोरों को पहला और 13912 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 3189 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 34 लाख 26 हजार 153 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

राज्य में पीएसआई की लिखित प्रिलिमनरी परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में पूर्ण

गैरकानूनी गर्भ परीक्षण का पर्दाफाश कर राजकोट क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस) शहर में गैरकानूनी गर्भ परीक्षा का पर्दाफाश करते हुए राजकोट क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। राजकोट में गैरकानूनी रूप से गर्भ परीक्षण का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं में पुलिस ने कानूनी कार्यवाही की है। सितंबर 2020 में राजकोट के मवडी क्षेत्र में गर्भ परीक्षण और गर्भपात करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें 12 हजार रुपए में गर्भ परीक्षण और रु. 20000 में गर्भपात कराए जाने का खुलासा हुआ था। जनवरी 2020 में राजकोट की शिवशक्ति कॉलोनी के किराए के मकान में गैरकानूनी गर्भ परीक्षण का पुलिस ने पर्दाफाश कर डॉक्टर और कंपाउडर समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच में गर्भ परीक्षण कराने आई महिला के संतान में 5 पुत्रियां होने का खुलासा हुआ था। फिर एक बार राजकोट में गर्भ परीक्षण के गैरकानूनी प्रवृत्ति का राजकोट क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सेवारत नयन गिरनारा और बीना डेडा को गिरफ्तार किया है।

राज्य में पीएसआई की लिखित प्रिलिमनरी परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में पूर्ण

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में आज पुलिस सब इंस्पैक्टर (पीएसआई) की लिखित प्रिलिमनरी परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल संपन्न हो गई। पर्चा लंबा जरूर था, लेकिन परीक्षार्थियों को काफी सरल लगा। अहमदाबाद के लांबा क्षेत्रकी गीता हाईस्कूल में पर्चा लीक होने का परीक्षार्थियों ने दावा किया है। दूसरी ओर गीता हाईस्कूल के प्रिन्सिपल ने किसी प्रकार की अनियमितता से इंकार किया है। पेपर, ओएमआर सीट और कॉल लेटर लिए जाने का विद्यार्थियों ने विरोध किया। आरोप है कि कई विद्यार्थियों ने ओएमआर शीट में जवाब लिखना छोड़ दिया था और शीट लेने के बाद जवाब लिखे गए। हांलाकि स्कूल के प्रिन्सिपल इन सभी आरोपों से इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि कई विद्यार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति नहीं होने की वजह से उनके कॉल लेटर लिए गए थे। बता दें कि रविवार को अहमदाबाद और गांधीनगर के 312 केन्द्रों पर पीएसआई की लिखित परीक्षा ली गई। जिसमें 96231 उम्मीदवार शामिल हुए। पीएसआई की परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता से निपटने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने के साथ ही जामर लगाए गए थे, ताकि परीक्षा के दो घंटों के दौरान मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी बंद रहे। साथ ही पेपर ले जानेवाले वाहनों में जीपीएस और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की गई। अहमदाबाद में पीएसआई की परीक्षा के लिए खास व्यवस्था की गई थी। अहमदाबाद पुलिस आयुक्त ने परीक्षा केन्द् के आसपास की जिरोक्स की दुकानें बंद रखने का आदेश दिया था। साथ ही परीक्षा केन्द्र में मोबाइल या इलेक्ट्रिक गेजेट ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके अलावा परीक्षा केन्द्र के आसपास 100 मीटर के दायरे में 4 से अधिक लोगों के जमा होने पर प्रतिबंद लगा दिया था।

गुजरात एटीएस ने ३ साल में २१७० करोड़ के मादक पदार्थ को जब्त किया

गुजरात एटीस ने भारतीय तटरक्षक बल और स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया

अहमदाबाद, ६ मार्च।

गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पिछले तीन साल में करीब २१७० करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर कई पाकिस्तानी नागरिकों समेत ७३ लोगों को गिरफ्तार किया। एटीएस ने रविवार को दावा किया कि पाकिस्तानी तस्करों ने कई बार ड्रग्स की तस्करी के लिए गुजरात तट का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसी सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया गया। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि गुजरात एटीएस ने ऐसे कई प्रयासों का भंडाफोड़ करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल और स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। अकेले २०२१ में, १,४६६.१८ करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए, जबकि पिछले दो वर्षों में ७०४.०४ करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गईं। इनमें से कई जब्ती पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा के करीब गुजरात तट से दूर अरब सागर में किए गए अभियानों में की गई थी। इस आंकड़े में पिछले साल सितंबर में कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह से राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा की गई २१,००० करोड़ रुपये की नशीली दवाओं की जब्ती शामिल नहीं है। इस मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) कर रही है। २०१९ तथा २०२१ के बीच राज्य एटीएस ने ४२७.३ किलोग्राम हेरोइन, ६.६५ किलोग्राम एमडी (एक सिंथेटिक उत्तेजक) और ३.५४ किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की। २०१९ में एटीएस ने गुजरात तट से १७८ समुद्री मील दूर अरब सागर में किए गए एक ऑपरेशन में ५०० करोड़ रुपये की १०० किलोग्राम हेरोइन जब्त की। आगे की जांच में नई दिल्ली से करीब २५ करोड़ रुपये की पांच किलोग्राम एमडी दवा जब्त की गई। २०२० में एटीएस ने राज्य के तट से एक संदिग्ध नाव को पकड़ा और १७५ करोड़ रुपये की ३५ किलोग्राम हेरोइन जब्त की। एटीएस ने कहा कि २०२१ में अरब सागर में किए गए अभियानोंम की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई, जिसमें दो बड़े अभियानों में ३०० करोड़ रुपये की ६० किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई जिसमें १५ पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

राज्य में और एक भर्ती घोटाला, PSI की परीक्षा आई विवाद में

लांभा की गीता हाईस्कूल में विद्यार्थियों से कॉल लेटर ले लिया गया, जिसकी वजह से विद्यार्थी नाराज हुए

अहमदाबाद, ५ मार्च।

गुजरात में और एक सरकारी नौकरी के लिए परीक्षा विवाद में आई है। गुजरात में सरकारी भर्ती में परीक्षा के पेपर लीक होने का सिलसिला जारी है। अब अहमदाबाद में ली गई क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक होने की बात सामने आई है। लांभा की गीता हाईस्कूल में पेपर लीक होने का आरोप लगा है। पेपर, ओएमआर सीट और कॉल लेटर ले जाने से विवाद हुआ है और परीक्षा सेंटर से कॉल लेटर वापस नहीं मिलने पर हंगामा हुआ है। लांभा की गीता हाईस्कूल में विद्यार्थियों से कॉल लेटर ले लिया गया था, जिसकी वजह से परीक्षा देने के लिए आये विद्यार्थी नाराज हो गये और भारी विरोध व्यक्त किया।

विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि कई विद्यार्थियों ने ओएमआर में जबाव बाकी छोड़ा था ओएमआर सीट में सीरिज मेच करके जबाव लिखा गया था। कॉल लेटर्स वापस नहीं देने पर विद्यार्थी ने स्कूल के बाहर हंगामा किया था। पीएसआई भर्ती बोर्ड के चेयरमैन विकास सहाय ने यह मामले में बताया है कि, लांभा में जो हुआ यह हमारे ध्यान में आया। गलतफहमी की वजह से उम्मीदवारों का प्रश्नपत्र लिया गया था। इस तरह प्रश्नपत्र हम रखते नहीं है। तथा कॉल लेटर भी नहीं रखते हैं। गलतफहमी जो हुआ है यह प्रोब्लम सोल्व हो जाएगा। आज पीएसआई की लिखित परीक्षा का आयोजन हुआ था। ९६ हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा दी है। स्ट्रोग रुम से सुरक्षित क्लासरुम तक पेपर पहुंचा था। अहमदाबाद में दो बात ध्यान में आई है। एक केंद्र पर मोबाइल लेकर उम्मीदवार अंदर गये थे जिस मामले में योग्य कार्रवाई की गई है। दूसरे एक केंद्र पर किसी उम्मीदवार ने अपनी जन्म तारीख के साथ चेकचाक की थी। लांभा हाईस्कूल के आचार्य ने रिपोर्ट के बाद अपनी भूल को कबूल किया था। उन्होंने कहा कि कॉल लेटर वापस देना था. जो नहीं दिया यह हमारी भूल थी।

भाजपा को भारी झटका, डांग के राजा ने राजनीतिक संन्यास लिया

वापी, ६ मार्च।

डांग दरबार पहले भाजपा को भारी झटका लगा है। डांग के मुख्य राजा धनराजसिंह सूर्यवंशी ने भाजपा से रिश्ता तोड़ दिया है। वासुरणा स्टेट के राजा राजनीतिक संन्यास लेने की घोषणा की है। विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा की जीत में उनकी महत्व की भूमिका थी। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को ६० हजार से ज्यादा की बढ़त दिलाने में उनका महत्वपर्ण रोल था। अब उनके राजनीतिक संन्यास की घोषणा से भाजपा को आगामी विधानसभा में भारी झटका लगेगा। डांग दरबार पहले डांग के मुख्य राजा धनराजसिंह सूर्यवंशी ने भाजपा से रिश्ता खत्म किया है। हालांकि उन्होंने किसी दूसरी पार्टी में जाने की घोषणा नहीं की है, वह राजनीतिक संन्यास लेंगे। वासुरणा स्टेट के राजा धनराजसिंह सूर्यवंशी ने राजनीतिक संन्यास लेने की घोषणा करने पर भाजपा को भारी झटका लगा है। क्योंकि विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को ६० हजार से ज्यादा की बढ़त दिलाने में उनका महत्वपर्ण रोल था। पार्टी के आदेश के अनुसार पूरे डांग जिले के पुलिस पटेल को इकट्ठा करके उन्होंने अपनी ताकत बताई थी। वह आदिजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष, पूर्व गुजरात प्रदेश कारोबारी सदस्य और २०वर्ष तक सरपंच रहे थे। उन्होंने लंबी राजनीतिक यात्रा तय की है। तब उनके अचानक घोषणा से भाजपा को झटका लगेगा। डांग के मुख्य राजा धनराजसिंह सूर्यवंशी पिछले कई दिनों से भाजपा से नाराज थे। भाजपा तरफ से पुलिस पटेलों को दिया वादा नहीं निभाने पर राजवी के तौर पर झूठा होने का दुख उनको सताता था। तब राजनीतिक संन्यास लेते समय उन्होंने कहा कि राजनेताओं को शर्म नहीं आती है लेकिन हमें राजवीओं को शर्म लगता है। उल्लेखनीय है कि राजा धनराजसिंह सूर्यवंशी डांग में आयोजित होने वाला डांग दरबार को लेकर भी नाराज थे।

विद्यार्थी जश्न की खुशी में समुद्र में डूबकर मर गया

युवक विशाखापट्टनम में फिटनेस टेस्ट देने गया था, जहां वह पास हुआ : बिच पर नहाने गया और डूब गया

भावनगर, ६ मार्च।

भावनगर के सिहोर गांव के एक होनहार युवक को कोई विचार नहीं कर सके ऐसी मौत हुई थी। युवक विशाखापट्टनम में फिटनेस टेस्ट देने गया था, जहां वह पास हुआ। लेकिन पास होने के बाद बिच पर नहाने गया। जहां समुद्र में डूब जाने से उसकी मौत हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार, सिहोर के जीथरी गांव के खीमजी मकवाणा का बेटा हार्दिक मकवाणा (उम्र.२०) नाम का युवक विशाखापट्टनम के समुद्र में डूब गया। अहमदाबाद में एमजी. साइंस कॉलेज में पढ़ाई करता यह हार्दिक मकवाणा नेवी में करियर बनाना चाहता था इसी वजह से वह विशाखापट्टनम में नेवी में फिटनेस मामले की परीक्षा देने गया था।

हार्दिक मकवाणा फिटनेस टेस्ट में पास हो गया था। जिसकी वजह से वह बहुत ही खुश था। यह खुशी में यह विशाखापट्टनम के आरके बिच में नहाने गया था। परीक्षा में पास हुआ हार्दिक खुश था। लेकिन इसकी यह खुशी देर तक टिक नहीं सकी। समुद्र में नहाते समय डूब जाने पर यह होनहार युवक की मौत हुई थी। स्थानीय गोताखोरों द्वारा शनिवार को शाम को इसका शव समुद्र में ढूंढकर बाहर निकाला। दूसरी तरफ हार्दिक के शव को हवाई मार्ग से भावनगर लाने की कार्रवाई शुरू की गई थी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया और भावनगर जिला पंचायत प्रमुख भरतसिंह गोहिल सहित के लोग परिवार के संपर्क में रहकर मदद में शामिल हुए थे।

वडोदरा-दाहोद के बाद अहमदाबाद में भक्तों की भीड़

शिवालयों में नंदी दूध पीते होने की बात पर भक्तजन पहुंचे

नंदी दूध पीते होने की बात फैल गई यह गुजरात राज्य में भक्तजन निकट के शिवालयों में जा रहे हैं

अहमदाबाद, ५ मार्च।

गत दिन दोपहर के बाद वडोदरा, पंचमहाल और दाहोद में शिव मंदिरों नंदी की मूर्ति दूध और पानी पीने लगी होने की रिपोर्ट के बाद अहमदाबाद जिले के भी कई शिवालयों में सैकड़ों भक्त पहुंच गये। शाम से यह बात भक्तों में फैल गई थी। नंदी की मूर्ति दूध और पानी पीने की बात आग के जैसे फैल जाने पर गुजरात के अलग अलग जिले और गांवों में गत दिन रात को और आज सुबह में शिव भक्त मंदिरों में पहुंच गये। अब अहमदाबाद के सीटीएम के पास जामफल वाडी में इश्वरलीला सोसाइटी परिसर में स्थित बिलेश्वर महादेव मंदिर में नंदी महाराज को दूध पिलाने के लिए असंख्य लोग पहुंच गये। देखते ही देखते भारी संख्या में लोग शिवालयों में पहुंचने से अव्यवस्था फैल गई थी और मंदिर के महाराज भी बेकाबू भीड़ को काबू में रखने के लिए मंदिर के परिसर में प्रयास करते हुए दिखाई दिए। महत्वपूर्ण है कि गत दिन शाम को वडोदरा में शिव मंदिर में नंदी की मूर्ति दूध और पानी पीते होने का किसी के ध्यान में आने पर भक्त भीडभंजन हनुमान मंदिर में पहुंच गये। महत्वपूर्ण है कि शनिवार को इस हनुमान मंदिर में सैकड़ों की संख्या में लोग आते है और इसके बगल में ही यह शिव मंदिर स्थित है जिसकी चमत्कार की बात सुनकर लोगों की भीड़ ज्यादा इकट्ठा हो गई थी। दूसरी तरफ ऐसी ही रिपोर्ट गोधरा से भी मिली है। जहां लोग गरदेह रोड पर एक शिव मंदिर में इकट्ठा हे और भारी भीड़ हो गई। इता ही नहीं नंदी की मूर्ति दूध और पानी पीने की बात लोगों को जैसे जैसे अपने अन्य रिश्तेदारों को बताई वैसे वैसे अन्य जिला और शहरों में भी इसी तरीके से भीड़ देखने को मिली जिसमें दाहोद में भी ऐसी ही स्थिति थी जहां लोग नंदी को दूध या पानी पिलाने के लिए शिव मंदिरों में आये और रात के समय में भक्तों की भारी भीड़ हो गई।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

गुजरात में आगामी ३ दिन बेमौसम बारिश की संभावना

दक्षिण गुजरात केनर्मदा, तापी, डांग, सूरत, भरूच, वलसाड, दमन, दादरा और नगर हवेली में बारिश की संभावना

अहमदाबाद, ६ मार्च।

मौसम विभाग के बताये अनुसार बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर की वजह से राज्य के मौसम में बदलाव आएगा और आगामी पांच दिन के दौरान मौसम के बीच गर्मी घटने की संभावना है। ७ मार्च को डांग, नर्मदा और तापी में सामान्य बारिश के साथ थन्ट स्टोर्म एक्टिविटी होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि, गुजरात में उत्तर पूर्व की हवा बह रही है जिसकी वजह से गर्मी का प्रारंभ हो गया हो ऐसा लग रहा है। हालांकि, अभी भी न्यूनतम तापमान १८ डिग्री के आसपास होने पर सुबह में फूल गुलाबी ठंडी का एहसास हो रहा है। इस तरह डबल सीजन की वजह से लोग भी बीमारी का शिकार बन रहे हैं। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार बंगाल के अरब समुद्र में लो प्रेशर पैदा होगा जिसका असर गुजरात के मौसम पर देखने को मिलेगा। जिसकी वजह से ६ से और १० मार्च तक में मौसम में बदलाव आएगा। इस बीच ७,८ और ९ मार्च तक में राज्य में बेमौसम बारिश की संभावना है। इस महीने में बारबार मौसम में बदलाव आएगा। जिसका कारण है, बंगाल के उपसागर और अरब सागर में हवा का हल्का दबाव। ७ से १० मार्च के दौरान गुजरात के छोटा उदेपुर, नर्मदा, तापी, डांग, सूरत, भरूच, वलसाड, दमन तथा दादरा और नगर हवेली में हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली, मध्य गुजरात के आणंद, वडोदरा, दाहोद, पंचमहाल, महीसागर, अरवल्ली, खेडा सहित के जिलों में भी बेमौसम बारिश की संभावना मौसम विभाग द्वारा संभावना की व्यक्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरीय पर्वतीय क्षेत्र में पश्चिम विक्षेप की वज से बर्फबारी और बेमौसम बारिश होने का अनुमान है, जिसका असर गुजरात में भी देखने को मिलेगा। राज्य के मध्य हिस्से में आगामी दिनों में बेमौसम बारिश की संभावना है। जबकि दक्षिण गुजरात के हिस्सों में ८ से १० मार्च के दौरान सामान्य बारिश होने की संभावना है।

राजकोट मंडल के सिंधवदर स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल के सिंधवदर स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त/रीशेडयूल्ड/रेग्युलेटेड होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः-

निरस्त रहने वाली ट्रेनें:

7 से 10 मार्च, 2022 तक छूटने ट्रेन संख्या 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी तक।

8 से 11 मार्च 2022 तक ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी

आंशिक रूप से निरस्त रहने वाली ट्रेनें:

7 मार्च, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22923 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर हमसफर एक्सप्रेस अहमदाबाद एवं जामनगर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

8 मार्च, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22924 जामनगर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस जामनगर एवं अहमदाबाद के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

9 मार्च, 2022 तक छूटने वाली ट्रेन संख्या 19209 भावनगर टर्मिनस-ओखा एक्सप्रेस सुरेंद्रनगर एवं ओखा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

7 से 10 मार्च, 2022 तक छूटने वाली ट्रेन संख्या 19210 ओखा-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस ओखा एवं सुरेंद्रनगर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

7 से 10 मार्च, 2022 तक छूटने वाली ट्रेन संख्या 19119 अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस सुरेंद्रनगर एवं सोमनाथ के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

7 से 10 मार्च, 2022 तक छूटने वाली ट्रेन संख्या 19120 सोमनाथ-अहमदाबाद एक्सप्रेस सोमनाथ एवं सुरेंद्रनगर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

रीशेडयूल्ड ट्रेन:

10 मार्च, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22969 ओखा-वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस रीशेडयूल्ड होकर 14.05 बजे के बजाय 16.05 बजे प्रस्थान करेगी।

8 मार्च, 2022 को रेग्युलेटेड ट्रेनें:

ट्रेन संख्या 22938 रीवा-राजकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस 50 मिनट के लिए रेग्युलेट की जाएगी।

ट्रेन संख्या 19567 तूतीकोरिन-ओखा एक घंटे के लिए रेग्युलेट की जाएगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखें।

पश्चिम रेलवे की 15 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर जुड़ेंगे अतिरिक्त डिब्बे

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी तौर पर 15 जोड़ी ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण इस प्रकार हैः-

1. ट्रेन संख्या 12989/12990 दादर-अजमेर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकोनॉमी कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच दादर से 31 मार्च, 2022 तक और अजमेर से 30 मार्च, 2022 तक जोड़ा जायेगा।
2. ट्रेन संख्या 20484/20483 दादर-भगत की कोठी एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच और चार स्लीपर क्लास कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच दादर से 1 अप्रैल, 2022 तक और भगत की कोठी से 31 मार्च, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
3. ट्रेन संख्या 14708/14707 दादर-बीकानेर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच और पाँच स्लीपर क्लास कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच दादर से 1 अप्रैल, 2022 तक और बीकानेर से 31 मार्च, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
4. ट्रेन संख्या 12490/12489 दादर-बीकानेर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी का सामान्य कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच दादर से 30 मार्च, 2022 तक और बीकानेर से 29 मार्च, 2022 तक जोड़ा जायेगा।
5. ट्रेन संख्या 12480/12479 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच और दो स्लीपर क्लास कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 4 अप्रैल, 2022 तक और जोधपुर से 3 अप्रैल 2022 तक जोड़े जायेंगे।
6. ट्रेन संख्या 12995/12996 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर इकोनॉमी कोच, एक स्लीपर कोच और एक द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 1 अप्रैल, 2022 तक और अजमेर से 31 मार्च, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
7. ट्रेन संख्या 22196/22195 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 15 मार्च, 2022 से 1 जून, 2022 तक और वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन से 13 मार्च, 2022 से 30 मई, 2022 तक जोड़ा जायेगा।
8. ट्रेन संख्या 15068/15067 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 1 अप्रैल, 2022 तक और गोरखपुर से 30 मार्च 2022 तक जोड़ा जायेगा।
9. ट्रेन संख्या 22474/22473 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त स्लीपर क्लास और एक द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 8 से 29 मार्च, 2022 तक और बीकानेर से 7 से 28 मार्च, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
10. ट्रेन संख्या 14702/14701 बांद्रा टर्मिनस-श्री गंगानगर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच बांद्रा टर्मिनस से 9 मार्च, 2022 से 2 अप्रैल, 2022 तक (21 मार्च, 2022 को छोड़कर) और श्री गंगानगर से 7 मार्च, 2022 से 31 मार्च, 2022 तक (19 मार्च, 2022 को छोड़कर) जोड़े जायेंगे।
11. ट्रेन संख्या 12465/12466 इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस में तीन अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्त कोच इंदौर से 1 अप्रैल, 2022 तक और जोधपुर से 2 अप्रैल, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
12. ट्रेन संख्या 14802/14801 इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस में तीन अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी सामान्य कोच जोड़े जायेंगे। यह अतिरिक्त कोच इंदौर से 3 अप्रैल, 2022 तक और जोधपुर से 31 मार्च, 2022 तक जोड़े जायेंगे।
13. ट्रेन संख्या 11125/11126 रतलाम-ग्वालियर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच रतलाम से 16 मार्च, 2022 से 2 जून, 2022 तक और ग्वालियर से 14 मार्च, 2022 से 31 मई, 2022 तक जोड़ा जायेगा।
14. ट्रेन संख्या 21125/21126 रतलाम-भिंड एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच रतलाम से 15 मार्च, 2022 से 31 मई, 2022 तक और भिंड से 16 मार्च, 2022 से 1 जून, 2022 तक जोड़ा जायेगा।
15. ट्रेन संख्या 14115/14116 डॉ. अम्बेडकर नगर-प्रयागराज जं. एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर कोच जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त कोच डॉ. अम्बेडकर नगर से 13 मार्च, 2022 से 1 जून, 2022 तक और प्रयागराज जं. से 12 मार्च, 2022 से 31 मई, 2022 तक जोड़ा जायेगा।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95